भीलवाड़ा,शनिवार,09,नवम्बर, 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09, अंक: 15 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

धीरेंद्र शास्त्री बोले– श्रीनाथजी के चरणों में हिंदू–राष्ट्र की अर्जी लगाई

बोले- शक्तियों की फ्रेंचाइजी नहीं होती; दिव्य दरबार में पहुंचे श्रद्धालु

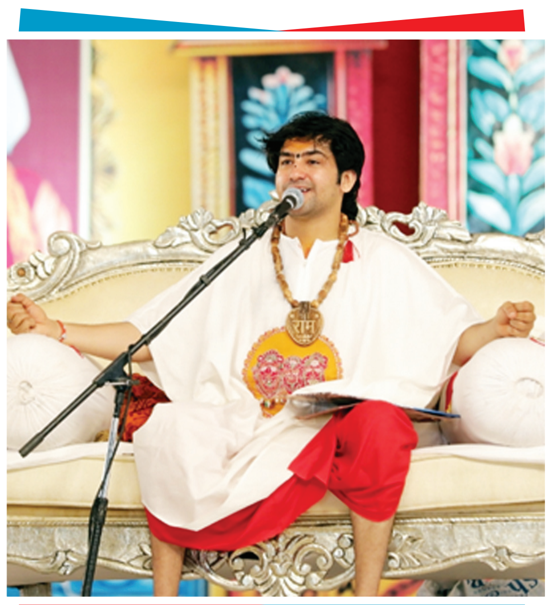

नमस्ते राजस्थान

__भीलवाड़ा।__ भीलवाड़ा में कथा वाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शुक्रवार को दिव्य दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने श्रीनाथजी (नाथद्वारा, राजसमंद) में हिंदू राष्ट्र की अर्जी लगाई है। दिव्य दरबार में अर्जी लगाने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने कथा पंडाल में ही लाल कपड़े में नारियल बांधकर अर्जी लगाई। लाल कपड़े में नारियल के साथ समस्याओं की पर्ची बनाकर भी बांधी। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने मंच से कहा– बागेश्वर बालाजी सरकार की कृपा से जीवन के दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का निवारण होता है। समस्याओं के निवारण के लिए श्रद्धालु घर बैठे, धाम पर आकर या कथा स्थल पर अर्जी का नारियल बांधते हैं। भीलवाड़ा के साथ प्रदेश के और देश के कई हिस्सों से भक्त अर्जियां लेकर आए हैं। हमारी कोई फ्रेंचाइजी नहीं है, शक्तियों की फ्रेंचाइजी नहीं होती। बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री भीलवाड़ा में 6 से 10 नवंबर तक हनुमंत कथा कर रहे हैं। कथा के तीसरे दिन आज शुक्रवार को दिव्य दरबार में श्रद्धालु अर्जियां लेकर पहुंचे।

श्रीनाथजी के चरणों में हिंदू राष्ट्र की अर्जी लगाई

धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार सुबह राजसमंद के नाथद्वारा पहुंचे थे। यहां उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में मंगला झांकी के दर्शन किए। उन्होंने दिव्य दरबार की शुरूआत में कहा– हमने श्री नाथ जी के चरणों में हिंदू राष्ट्र की अर्जी लगाई है। राजस्थान एक अद्भुत प्रदेश है। यहां श्रीनाथजी, सांवलिया सेठ, मेहंदीपुर बालाजी और सालासर बालाजी बैठे हैं। उन्होंने अर्जी लगाने वाले भक्तों से कहा– महिमा तो बागेश्वर बालाजी की है। हमारे बालाजी के चक्कर में पड़ोगे तो लौट कर जिंदगी में पीछे मुड़कर नहीं देखोगे। दरबार लगाना तो बहाना है, सबको बालाजी का भक्त बनाना है। धीरेंद्र शास्त्री ने राम नाम का जप करके दिव्य दरबार की शुरूआत की। लोगों पर कसा तंज–आज चादर चढ़ाओगे, कल कैंडल जलाने जाओगे उन्होंने धर्म के प्रति सच्चा आस्थावान बनने की सलाह देते हुए कहा– आज तुम चादर चढ़ाओगे, कल कैंडल जलाने चले जाओगे। अगर तुम्हें भटकना नहीं है, जीवन भर के लिए बालाजी का होना है तो आज से हमारे चक्कर में मत पड़ो, बागेश्वर बालाजी के चरण पकड़ लो। उन्होंने अर्जी लगाने वालों से कहा– अगर तुम्हें अर्जी लगानी है तो कुछ नियमों का पालन करना होगा। अर्जी लगाने के लिए लहसुन, प्याज, मांस, मदिरा (शराब) को छोड़ना होगा। उसके बाद ही आप अर्जी लगाने के हकदार हैं। उन्होंने कहा– हनुमान जी की आराधना करना शुरू कर दो, आपका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।

बीज मंत्र दिया, कहा इनका जप करो, सफल होगे

उन्होंने दिव्य दरबार में शामिल श्रद्धालुओं को बीज मंत्र का महत्व बताया। तीन बीज मंत्र भी दिए।

ओम संन्यासी देव नमः

उन्होंने कहा– रोजाना अगर आप इन मंत्रों का जप करेंगे तो जीवन सफल हो जाएगा। हमारे पास बीज मंत्र ही है। हमारी कोई फ्रेंचाइजी नहीं है। क्योंकि शक्तियों की कोई फ्रेंचाइजी नहीं होती।

लोगों ने मंच पर पहुंचकर लगाई अर्जी, शास्त्री ने बताया समाधान दिव्य दरबार में धीरेंद्र शास्त्री ने भीलवाड़ा शहर के तिलक नगर में रहने राजेंद्र गर्ग और उनकी पत्नी को मंच पर बुलाया। शास्त्री ने कहा– आपको बेटियों के विवाह की चिंता है, व्यापार में दो साल से अवरोध बना हुआ है, एक व्यक्ति पीछे लगा है। आप कर्ज उतारने की अर्जी लेकर आए हो। सिर की समस्या ठीक हो जाएगी। उपाय देते हुए उन्होंने बालाजी को सरसों के तेल का चोला तीन शनिवार को चढ़ाने और बागेश्वर धाम आकर कवच लेने की बात कही। इसके बाद भीलवाड़ा के शास्त्री नगर स्थित हनुमान कॉलोनी के युवक को मंच पर बुलाया। जिले के गंगापुर से आई एक महिला को भी मंच पर बुलाया और कहा– आपके घर में क्लेश है, शत्रु पीछे लगे हैं, शिक्षा के मार्ग में सफल हो जाओगी। एक महिला ने तंत्र-मंत्र कराया है, समाधान हो जाएगा। धीरेंद्र शास्त्री ने झालावाड़ से आए एक युवक से चिट्ठी खुलवाई। उसे उसकी समस्याओं का समाधान बताया। एक बुजुर्ग को मंच पर बुलवाया। कहा कि आपके छोटे भाई ने आप पर मुकदमा दर्ज करवा रखा है। भतीजों ने आपके साथ मारपीट की। आपकी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। मांडलगढ़ के एक युवक ने जहाजपुर में ठाकुरजी के बेवाण को निज धाम पहुंचाने की अर्जी लगाई। इस पर शास्त्री ने हिंदू संगठन प्रशासन से बातचीत कर ठाकुरजी के बेवाण को निज धाम पहुंचाने की बात कही।

जमीन विवाद में महिला को जिंदा जलाने का प्रयास: पुलिस ने जलती आग से निकालकर पहुंचाया अस्पताल,गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

नमस्ते राजस्थान

चूरू चूरू में जमीन को लेकर हुए झगड़े में महिला को आग में फेंककर जिंदा जलाने का प्रयास किया। मारपीट की सूचना मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को आग से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। महिला की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मामला जिले के भालेरी थाना इलाके के गांव खण्डवा पट्टा पीथीसर का है। भालेरी थानाधिकारी जगदीश सिंह ने बताया कि गुरुवार को परिवार के दो पक्षों में मारपीट करने की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर देखा तो बाड़ में आग लगी थी। विवाहिता को आग से निकालकर तुरंत भालेरी पीएचसी में भर्ती करवाया। महिला की हालत बिगड़ने पर प्राथमिक इलाज के बाद चूरू जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में घायल महिला सुनीता (30) ने बताया कि उसके दादा ससुर ने उसे कई साल पहले खेत दिया था। जिसका उन्होंने गांव में पंचायत कर बंटवारा भी किया था। इसके बाद से लगातार 40 साल से वह खेत में काश्त कर रहे हैं। वहां कुआं बनाकर खेतबाड़ी कर रहे हैं, लेकिन परिवार के लोग आए दिन परेशान करते हैं।

महिला को जलते बाड़ में फेंका

महिला ने बताया कि गुरुवार दोपहर 12 बजे वह अपने पशु बांध रही थी। तभी परिवार की फूला देवी, आशा, लिछा, पिंकी, भरत और रामनिवास आए। जिन्होंने उसके साथ लाठी और डंडे से मारपीट की और बाड़ में आग लगा दी। पशुओं को भी आग के बीच से निकाला। उन लोगों ने मारपीट कर महिला को जलते बाड़ में फेंक दिया।

पुलिस ने आग से निकाला बाहर

महिला ने बताया कि इसी दौरान भालेरी थानाधिकारी जगदीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जिन्होंने महिला को आग से बाहर निकालकर चुन्नी में लगी आग को बुझाया। पुलिस ने तुरंत महिला को भालेरी पीएचसी में भर्ती करवाया, जहां से गुरुवार रात उसकी तबीयत बिगड़ने पर प्राथमिक इलाज के बाद रात करीब साढ़े 8 बजे चूरू के डीबी अस्पताल रेफर किया। रात को करीब 9 बजे डीबी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

दोनों पक्षों के 2 लोग गिरफ्तार

थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मारपीट के मामले में दोनों पक्षों से भरत और प्रताप को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से कोई लिखित शिकायत अभी तक नहीं मिली है। जैसे ही शिकायत मिलेगी तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

राइजिंग राजस्थानः जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट

भीलवाड़ा को औद्योगिक हब बनाने की दिशा में बढ़ते कदम

जिले में निवेश की नई दिशा- 10 हजार 340 करोड़ के 143 एमओयू हुए

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से विकसित राजस्थान का सपना होगा साकार - प्रभारी मंत्री डॉ. बाघमार

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत शुक्रवार को जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट में 10 हजार 340 करोड रुपए से अधिक निवेश के 143 एमओयू किये गए, इससे 23 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। होटल ग्लोरिया इन में आयोजित समारोह में जिला प्रभारी मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, विधायक अशोक कोठारी, विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल, जिला प्रभारी सचिव राजन विशाल, जिला कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा सहित उद्यमियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में एमओयू सम्पन्न हुए।

इन्वेस्टर मीट युवाओं के लिए राज्य सरकार की रोजगारोन्मुख सोच

प्रभारी मंत्री डॉ मंजू बाघमार ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राज्य सरकार राज्य में उद्योगों में निवेश को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में इन्वेस्टर मीट आयोजित कर रही है, जिससे राज्य के विकास को नई दिशा मिले। भीलवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम विकास और निवेश को बढ़ावा देने के लिए है। राज्य सरकार की मंशा अनुसार यह मीट युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने और जिले में निवेश बढ़ाने के लिए उपयोगी साबित होगी। जिला स्तरीय समिट के बाद भी जयपुर में 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में एमओयू किए जा सकेंगे। प्रभारी मंत्री डॉ बाघमार ने कहा कि राज्य सरकार एमओयू करने के साथ उन्हें धरातल पर उतारना चाहती हैं, इसीलिए विभिन्न करों में छूट और अनुदान भी दे रही हैं। सरकार ने कई पॉलिसी नई बनाई है, हम उद्यमियों से भी सुझाव ले रहे ताकि इन्हे शामिल कर पॉलिसी बना सके। राज्य सरकार का उद्देश्य जिले को उद्यमिता में आगे बढ़ाना है ताकि जिले का और विकास हो। ह्यह्यएक जिला-एक उत्पादह्नह्न के जरिये भी लोकल उत्पाद को प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने बताया राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

राज्य सरकार उद्यमियों के साथ, उद्यम स्थापित करने में नहीं आएगी समस्याएं

जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि भीलवाड़ा जिले में उद्योगों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा कई पहल की गई हैं, जिनमें ड्राफ्ट टेक्सटाइल पॉलिसी बनाई गई है और उद्योगों के लिए विभिन्न सुविधाएं प्रदान की गई हैं। राज्य सरकार जिले में उद्योगों के लिए वित्तीय सहायता और अन्य सुविधाएं दे रही है। उन्होंने इंडस्ट्रियलिस्ट को भरोसा दिलाया कि आपको उद्योग लगाने में कोई समस्या नहीं आए, यही कोशिश रहेगी। मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल ने कहा कि उद्योगों की स्थापना एवं विकास के लिए राज्य सरकार सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उद्योगों की समस्या समाधान के लिए सरकार प्रयासरत है। खनिज क्षेत्र में निवेश को लेकर भी चर्चा की। विधायक अशोक कोठारी ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार टेक्सटाइल पॉलिसी लाने जा रही हैं, राज्य सरकार द्वारा भीलवाड़ा में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टेक्सटाइल पार्क की स्थापना के लिए रूपाहेली में भूमि का आवंटन किया जा चुका है। राईजिंग राजस्थान के माध्यम से भीलवाड़ा और राज्य के कदम विकास की ओर बढ़ेंगे।

स्टॉल्स और प्रदर्शनी रही आकर्षण का केन्द्र

इन्वेस्टर मीट में एक जिला एक उत्पाद को लेकर प्रदर्शनी लगाई गई। इनमें 20 स्टॉल्स लगाई गई। 7 स्टॉल यार्न, सुटिंग व कपड़े से जुड़ी थी। इनके अलावा माइनिंग, भीलवाड़ा डेयरी, रेडिमेड गारमेंट, बैंकिंग सेक्टर, मेडिकल, फड़ पेंटिंग की स्टॉल भी रही। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण राइजिंग राजस्थान की थीम पर आधारित रंगोली, सेल्फी पाइंट, एक जिला एक उत्पाद टैक्सटाइल प्रोडक्ट और रेडीमेड गारमेंट की की स्टाल्स के साथ-साथ स्टोन कार्विंग, फड़ पेटिंग , स्नैचिंग आर्ट, सरस डेयरी भीलवाड़ा , हिन्दुस्तान जिंक, संगम, कंचन, नितिन स्पिनर्स , बीएसएल, चित्रक गारमेंट, केल्वीन टेक्स वेंचर, द्वारकेश फार्मा , अग्रणी बैंक , विनोद ओटो एलएलपी कृषि /बागवानी ,मेडीकल , खनन विभाग की स्टाल्स लगाकर उत्पाद एवं योजनाएं प्रदर्शित की गई। राज्य स्तरीय निवेश व जिले की भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं औद्योगिक परिदृश्य का चित्रण करते हुए डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

राज्य सरकार का फोकस एमओयू मेमोरेंडम ऑफ इंप्लिमेंटेशन में हो तब्दील

प्रभारी सचिव राजन विशाल ने कहा कि उद्यमिता और नवाचार ने भीलवाड़ा को औद्योगिक मानचित्र पर एक विशेष पहचान दिलाई है, चाहे वह टेक्सटाइल उद्योग हो या माइनिंग उद्योग। उद्योगों की सफलता से न केवल आपको लाभ हुआ है, बल्कि इससे रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं और अर्थव्यवस्था में गुणकारी प्रभाव भी पड़ा है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार अपने पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट लेकर आई है और पहले वर्ष में लाने का मतलब यह है कि प्राथमिकताएँ बिल्कुल स्पष्ट हैं और जो बाकी का कार्यकाल है सरकार का उसमें फोकस यह रहेगा कि मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग से मेमोरेंडम ऑफ इंप्लिमेंटेशन में तब्दील हो। राज्य स्तरीय समिट में अन्य देशों की भागीदारी भी होगी। इटली, जापान, कोरिया सहित कई देशों की पुष्टि हो चुकी है। इस समिट का उद्देश्य राजस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करना है।

जिले में सेक्टरवाइज एमओयू की स्थिति

महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र के.के. मीना ने कि जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट में 10 हजार 340 करोड रुपए से अधिक निवेश के 143 एमओयू किये गए, इससे 23 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। सर्वाधिक 62 एमओयू टेक्सटाइल सेक्टर में हुए। इनमें 4621 करोड़ के निवेश प्रस्तावित है। इनसे 9320 लोगों को रोजगार मिलेगा। आयरन व स्टील में 2661 करोड़ के 6 एमओयू हुए। इनमें 7590 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसी प्रकार एग्रो एंड फूड में 33 करोड़ के 11 एमओयू, चिकित्सा क्षेत्र 371 करोड़ के 7 एमओयू, खनिज क्षेत्र 1824 करोड़ के 11 एमओयू, पर्यटन क्षेत्र के 309 करोड़ के 10 एमओयू, फर्नीचर 12 करोड़ के 3 एमओयू, प्लास्टिक 9 करोड़ के 2 एमओयू, पेट्रोल सेक्टर 159 करोड़ के 7 एमओयू एवं अन्य 337 करोड़ के 24 एमओयू सहित कुल एमओयू 10 हजार 340 करोड़ के 143 एमओयू किए गए। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश मेहरा, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, एजीएम रीको लि पी. आर. मीना, मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स - इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर. सी. लोढ़ा, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष शम्बू प्रसाद काबरा, सिंथेटिक विविंग मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय पेडीवाल, भीलवाड़ा टैक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के संरक्षक श्याम चांडक सहित उद्यमी एवं निवेशक मौजूद रहे ।

भीलवाड़ा में शहर के मध्य स्थित इन्द्रा मार्केट उपडाकघर में अव्यवस्थाओं का बोलबाला जनता त्रस्त अधिकार मस्त,

केन्द्र सरकार के उपक्रम में कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं ?

नमस्ते राजस्थान

इन्द्रा मार्केट उपडाकघर भीलवाड़ा जो सिटी के मध्य अत्यधिक व्यस्तता वाला उपडाकघर होने के बावजूद भी विगत 4 नवम्बर 24 को प्रातः 11 बजे से जमा एवं निकासी का कार्य बन्द हो गया हैं जो आज दिनांक 8 नवम्बर 24 तक भी चालू नहीं हो पाया है जिससे इस उपडाकघर के छोटे-छोटे विनियोजकों को सुकन्या समृद्धि योजना, लोक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र, आवृत्ति जमा योजना आदि लघु बचत योजनाओं में राशि जमा नहीं होने से एवं निकासी नहीं होने से उपभोक्ताओं को अन्यत्र डाकघरों में जाने को विवश होना पड़ रहा हैं लेकिन जिन उपभोक्ताओं को राशि पचास हजार से ज्यादा जमा करानी हैं ऐसे उपभोक्ताओं को इस डाकघर में लेनदेन चालू होने का इन्तजार करना पड रहा है। साथ ही ऐसी महिला अभिकर्ता जो इस डाकघर से संबधित हैं उन्हें प्रतिदिन अपनी राशि जमा कराने के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं तथा उन्हें हमेशा डर बना रहता हैं कि हमारे साथ कोई अनहोनी न हो जावें । उपडाकपाल मलाई कुमार गोस्वामी से जानकारी करने पर पता चला कि ऑप्टीकल फाईबर केबल की समस्या के चलते 4 नवम्बर से लेनदेन बन्द पड़ा है एवं किसी भी प्रकार की जमा एवं निकासी नहीं हो रही हैं जिसका समाधान अधीक्षक डाकघर भीलवाडा, पोस्ट मास्टर जनरल अजमेर, चीफ मास्टर जनरल राज० जयपुर को समय रहते करना चाहिए लेकिन ये अधिकारी ए०सी० कमरों में बैठ कर आम जनता के साथ साथ डाकघरों का भी अहित कर रहें हैं ।।

भीलवाड़ा में शहर के मध्य स्थित इन्द्रा मार्केट उपडाकघर में अव्यवस्थाओं का बोलबाला जनता त्रस्त अधिकार मस्त,

केन्द्र सरकार के उपक्रम में कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं..?

इन्द्रा मार्केट उपडाकघर भीलवाड़ा जो सिटी के मध्य अत्यधिक व्यस्तता वाला उपडाकघर होने के बावजूद भी विगत 4 नवम्बर 24 को प्रातः 11 बजे से जमा एवं निकासी का कार्य बन्द हो गया हैं जो आज दिनांक 8 नवम्बर 24 तक भी चालू नहीं हो पाया है जिससे इस उपडाकघर के छोटे-छोटे विनियोजकों को सुकन्या समृद्धि योजना, लोक भविष्य निधि योजना, राष्ट्रीय बचत पत्र, आवृत्ति जमा योजना आदि लघु बचत योजनाओं में राशि जमा नहीं होने से एवं निकासी नहीं होने से उपभोक्ताओं को अन्यत्र डाकघरों में जाने को विवश होना पड़ रहा हैं लेकिन जिन उपभोक्ताओं को राशि पचास हजार से ज्यादा जमा करानी हैं ऐसे उपभोक्ताओं को इस डाकघर में लेनदेन चालू होने का इन्तजार करना पड रहा है। साथ ही ऐसी महिला अभिकर्ता जो इस डाकघर से संबधित हैं उन्हें प्रतिदिन अपनी राशि जमा कराने के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं तथा उन्हें हमेशा डर बना रहता हैं कि हमारे साथ कोई अनहोनी न हो जावें । उपडाकपाल मलाई कुमार गोस्वामी से जानकारी करने पर पता चला कि ऑप्टीकल फाईबर केबल की समस्या के चलते 4 नवम्बर से लेनदेन बन्द पड़ा है एवं किसी भी प्रकार की जमा एवं निकासी नहीं हो रही हैं जिसका समाधान अधीक्षक डाकघर भीलवाडा, पोस्ट मास्टर जनरल अजमेर, चीफ मास्टर जनरल राज० जयपुर को समय रहते करना चाहिए लेकिन ये अधिकारी ए०सी० कमरों में बैठ कर आम जनता के साथ साथ डाकघरों का भी अहित कर रहें हैं

रविवार 10 नवंबर को मतदान केन्द्रों पर बैठेंगे बीएलओ

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्धारित कार्यक्रमानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के तहत विशेष अभियान की तिथि दिनांक 10 नवम्बर, 2024 (रविवार) को समस्त बूथ लेवल अधिकारी सम्बन्धित मतदान केन्द्रों पर उपस्थित रहेंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने आम मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे 10 नवम्बर, 2024 (रविवार) को सम्बन्धित मतदान केन्द्र पर पहुँच कर मतदाता सूची में नाम जोड़न, हटाने एवं संशोधन हेतु बीएलओ को आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रारूप-6 में दिनांक 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। प्रारूप-7 में मृत/अन्यत्र स्थानांतरित /दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। प्रारूप-8 में निवास का स्थानांतरण, मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों मे संशोधन, डुप्लीकेट वोटर आई.डी. कार्ड हेतु, दिव्यांगजनो का चिन्हीकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) ने आम नागरिको से अपील की है कि ऑनलाईन माध्यम वोटर हेल्पलाइन मोबाइल एप एवं वोटर पोर्टल https://voter-portl.eci.gov.if/ के द्वारा अधिक से अधिक आवेदन कर अपना एवं परिवार के सदस्यों का नाम मतदाता सूची में जुड़वायें।

भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर स्टीकर विमोचन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, भारत स्काउट व गाइड के स्थापना दिवस पर 7 नवंबर गुरुवार को जिला कलक्टर नमित मेहता ने स्काउट स्टीकर का विमोचन किया। सीओ स्काउट अनीता तिवारी ने बताया कि इस स्टीकर विमोचन के पश्चात समस्त स्टीकर जिले के विभिन्न संस्थानों में सशुल्क दिए जाएंगे। संधारित राशि को नेशनल हेड क्वार्टर के माध्यम से देशभर में भूकंप, बाढ़ पीड़ित, व अन्य आपदाओं के समय इस राशि का उपयोग किया जाएगा। स्टीकर विमोचन के अवसर पर सी. ओ. स्काउट विनोद कुमार , सी.ओ.गाइड अनीता तिवारी, स्थानीय संघ सचिव आयुष सैनी, राष्ट्रपति रोवर विनोद तेली उपस्थित रहे।

कोटा में गुरुद्वारा का भवन बनाने देशभर से जुटे सेवादार:

10 घंटे में 8,460 फीट की छत डाली; गुबंदों पर 5 किलो सोने का छत्र और दीवारों पर होगी मीनाकारी

नमस्ते राजस्थान

कोटा में बूंदी रोड स्थित गुरुद्वारा अगमगढ़ साहिब का भवन बनाने के लिए देशभर से सेवादार जुटे हैं। पंजाब, गुजरात, यूपी, एमपी से करीब 3 हजार सेवादार आए हैं, जिसमें महिला और पुरुषों के साथ बच्चे भी शामिल है। सेवादारों ने गुरुवार को भवन की पहली मंजिल की छत को करीब 10 घंटे में डाला। 10 दिन बाद पहली मंजिल की शटरिंग खोलकर कार सेवा शुरू की जाएगी। इस गुरुद्वारे के गुबंदों पर 5 किलो सोने का छत्र चढ़ेगा और दीवारों पर मीनाकारी होगी। गुरुद्वारे में बड़ी लिफ्ट भी लगेगी। कोटा सेंट्रल गुरु सिंह सभा अध्यक्ष तरूमीत सिंह बेदी ने बताया- गुरुद्वारा अगमगढ़ साहिब में पिछले 3 महीनों से नए दरबार साहिब के भवन निर्माण का काम चल रहा है। ये तीन मंजिला गुरुद्वारा बनेगा। दरबार साहिब की पहली मंजिल की छत डालने का काम गुरुवार सुबह साढ़े 8 बजे से किया गया था। संत बाबा लक्खा सिंह मुख्य

जत्थेदार गुरुदारा अगमगढ़ साहिब, जत्थेदार बाबा बलविंदर सिंह की अगुवाई में हाड़ौती संभाग सहित पंजाब, गुजरात ,उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश से आए सेवादारों ने शाम साढ़े 6 बजे तक 8460 फीट की छत डाल दी। इस दौरान गुरू का लंगर अटूट चलता रहा। 10 दिन बाद पहली मंजिल की शटरिंग खोलकर कार सेवा शुरू की जाएगी।

सेवादारों ने 8-8 इंच के 38 बीम तैयार किए।

कार सेवा (श्रमदान) में सचखंड वासी सरहाली साहिब वाले संत बाबा तारा सिंह (धार्मिक स्थल) से संत बाबा लक्खा सिंह मुख्य जत्थेदार गुरुदारा अगमगढ़ साहिब और जत्थेदार बाबा बलविंदर सिंह की अगुवाई में हाड़ौती संभाग सहित पंजाब, गुजरात ,उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश से सेवादार पहुंचे हैं। सेवादारों ने मिलकर गुरुवार शाम साढ़े 6 बजे तक 8460 फीट की छत डाल दी। इस दौरान गुरु का लंगर अटूट चलता रहा। 10 दिन बाद पहली मंजिल की शटरिंग खोलकर कार सेवा शुरू की जाएगी। संत बाबा लक्खा सिंह ने बताया- बच्चे,बड़े, बुजुर्गों,माता और बहनों ने मिलकर इस ऐतिहासिक काम को अंजाम दिया। सेवादारों ने 8-8 इंच के 38 बीम तैयार किए। जेसीबी मशीनों, आधुनिक लोडरों के साथ संगत ने मिलकर काम को पूरा दिया। 'बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के जयकारे लगाकर खुशी मनाई। निर्माण कार्य में 1700 वायर प्रूफ सीमेंट के कट्टे लगे। दरबार साहिब की ऊंचाई 90 फीट तक जाएगी। कलात्मक मीनाकारी के काम सुन्दर बुर्जों से दरबार साहिब सजेंगे।

15 से ज्यादा गुरुद्वारों में करवाते काम

गुरुद्वारा अगमगढ़ साहिब के जरिए देशभर के 15 से ज्यादा गुरुद्वारों में कार सेवा (श्रमदान) लंगर सेवा और सामाजिक सरोकारों के काम करवाए जाते है। इनमें भेंटद्वारिका, भरूच, बड़ौदा (गुजरात),गुरुद्वारा डेरा साहिब, तरणतारन, गुरुद्वारा चंदेर साहिब गोविंदवाल साहिब (पंजाब) शहीदों का गुरुद्वारा हनुमानगढ़, गुरूनानक दरबार पुष्कर, गुरुद्वारा श्री कलगीधर भगोर साहिब भीलवाड़ा, गुरुद्वारा साहिब श्री नानकपुरा भीलवाड़ा, गुरुद्वारा श्री धन्ना भगत धुआं कला टोंक हैं। ये सभी ऐतिहासिक गुरुद्वारे है।

प्रकाश पर्व पर होंगे कई कार्यक्रम

गुरु नानक देव जी के 555वां प्रकाश पर्व 15 नवंबर होगा। इससे पहले कई कार्यक्रम होंगे, जिसमें 10 नवंबर को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी शहीद अटवाल नगर के नवनिर्माण के अवसर पर विशेष शुकराना समागम आयोजित होगा। जिसमें गुरदेव सिंह जी ऑस्ट्रेलिया वाले गुरबाणी से जोड़ेंगे। 12 नवंबर की सुबह भीमगंजमंडी में गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा से नगर कीतर्न निकलेगा। जो शाम 6 बजे दोबारा गुरुद्वारा गुरुसिंह सभा में समाप्त है। 15 नवंबर को गुरूनानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया जाएगा। जिसमें दरबार अमृतसर से आए रागीजत्थे गुरुवाणी से संगत को जोड़ेंगे।

इटाराना रेलवे फाटक के समीप स्थित मोनी बाबा गौशाला में शुक्रवार से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ

नमस्ते राजस्थान

इटाराना रेलवे फाटक के समीप स्थित मोनी बाबा गौशाला में शुक्रवार से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कथा आरंभ होने से पहले सुबह करीब 10:00 बजे काली मोरी के नजदीक हीरानाथ बाबा आश्रम से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल मन ए बाबा गौशाला पहुंची। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रवक्ता राजेश जोशी ने बताया कि यह भागवत कथा श्रीमती शकुंतला शर्मा श्री कृष्णा शर्मा और युवराज शर्मा परिवार की ओर से आयोजित हो रही है।। उन्होंने गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने की मांग भी उठाई।। इस कलश यात्रा में

कथावाचक साध्वी दया दास महाराज, सरस्वती मंदिर से पधारे धर्मदास महाराज, ब्रह्मांड घाट के महंत रामशरण महाराज,रामदास महाराज का विशेष सानिध्य रहा। इनके अलावा रामकुमार ममूटी तिवारी, राम प्रिया दास, जानकीदास, बालक दास, करण नाथ, युवराज शर्मा, महाराज, दीपक भारद्वाज, समाजसेवी राजेशजोशी, सोमनाथ वर्मा गौ सेवक आचार्य कमलकांत, विनोदपाराशर, राजेंद्र तिवारी, जगमोहन शर्मा, संजय शर्मा, सोनू शर्मा वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश बेनीवाल, लक्ष्मी नारायण लक्ष्य आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कथा स्थल पर कलश यात्रा में जाने वाले सभी श्रद्धालु भक्तजनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई उसके पश्चात व्यास पीठ पर साध्वी जी महाराज द्वारा भागवत कथा प्रारंभ किया गया

बैरक में बंद हिस्ट्रीशीटर का इंस्टाग्राम पर

सोशल मीडिया पर शेयर की रील,अरढ की फोटो लगाकर लिखा- परम मित्र

नमस्ते राजस्थान

झुंझुनूं पुलिस की कस्टडी में बंद हिस्ट्रीशीटरों के वीडियो इंस्टाग्राम की रील्स में दिख रहे हैं। इससे पुलिस की शैली पर सवाल उठ रहे हैं। मामला झुंझुनूं जिले के पचेरी कलां थाने का है। थाने की हवालात में बंद हिस्ट्रीशीटर के वीडियो सामने आए हैं। इनमें हिस्ट्रीशीटर मुस्कुराकर हाथ से इशारा भी कर रहे हैं। जिन दो हिस्ट्रीशीटर के वीडियो सामने आए हैं, उनमें से एक मनोज उर्फ कालिया है। मनोज को हत्या के मामले में 4 नवंबर को खेतड़ी जेल से प्रोडक्शन वारंट पर पचेरी कलां लाया गया था। वह 4 और 5 नवंबर को थाने के बैरक में बंद था। इस दौरान के ये वीडियो हैं। फिलहाल मनोज खेतड़ी (झुंझुनूं) जेल में बंद है।

आरोपी के खिलाफ 11 मामले दर्ज

आरोपी मनोज उर्फ कालिया के खिलाफ जयपुर और झुंझुनूं के थानों में 11 मामले दर्ज हैं। पचेरी कलां थाने में उसके खिलाफ 6 मामले दर्ज हैं। सिंघाना (झुंझुनूं) थाने में 2, कोतवाली थाना (झुंझुनूं) में 1 और जयपुर में 2 मामले दर्ज हैं। मनोज ने 6 दिसंबर 2023 को पथाना निवासी पप्पू नाम के युवक से मारपीट की थी। घायल हालत में नारनौल (हरियाणा) ले जाते वक्त पप्पू ने दम तोड़ दिया था। पप्पू की पत्नी संतोष ने 7 दिसंबर 2023 को हत्या का मामला दर्ज करवाया। घटना के बाद मनोज फरार हो गया था। रिपोर्ट में संतोष ने बताया था- 6 दिसंबर 2023 की शाम 6 बजे सूचना मिली कि पति के साथ मनोज व तीन-चार हथियारबंद लोगों ने मारपीट की है। पति को मरा समझकर वे छोड़ भागे। इलाज के लिए हरियाणा ले जाते वक्त पति ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मनोज, राजवीर उर्फ धोलिया और आरोपी चुनीया के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया था। उसे खेतड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया।

अरकको बताया मददगार और परम मित्र

वीडियो अंकित **HR**-47 की इंस्टाग्राम आईडी से शेयर किए गए हैं। साथ ही एक अरक नरेश कुमार को हिस्ट्रीशीटरों की इंस्टाग्राम आईडी से परम मित्र बताया गया है। नरेश कुमार का फोटो भी लगाया है। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए एएसआई नरेश कुमार को कई बार फोन लगाया लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया।

DSP बोले- वीडियो आया, जांच कर रहे हैं

इस बारे में बुहाना (झुंझुनूं) डीएसपी नोपाराम से बात की तो उन्होंने कहा- हां ऐसा वीडियो है, जिसमें पचेरी थाना के हवालात में आरोपी नजर आ रहे हैं। मनोज से मिलने के लिए एक युवक आया था। उसी ने थाने में ये वीडियो बनाए। टीम गठित कर आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

प्रभारी सचिव राजन विशाल ने किया कृषि कार्यालय का निरीक्षण

डीबीटी योजनाओं,एसएनए स्पर्श एवं गुण नियंत्रण कार्य की प्रगति की ली जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र में उन्नत कृषि प्रक्रियाओं का किया अवलोकन

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी एवं प्रभारी सचिव श्री राजन विशाल ने शुक्रवार को कृषि भवन परिसर में मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में मृदा विश्लेषण प्रक्रिया और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी करने की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने अतिरिक्त निदेशक कृषि (वि.) कार्यालय का निरीक्षण किया और राज किसान पोर्टल पर डीबीटी योजनाओं प्रगति एवं एसएनए स्पर्श एवं गुण नियंत्रण कार्य की प्रगति पर चर्चा की। संयुक्त निदेशक कृषि कार्यालय में संचालित सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और विभिन्न शाखाओं से संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों से कार्यप्रणाली के बारे में चर्चा की। कार्यालय निरीक्षण के दौरान ई-फाइलिंग, उर्वरक नमूना प्रक्रिया, फसल

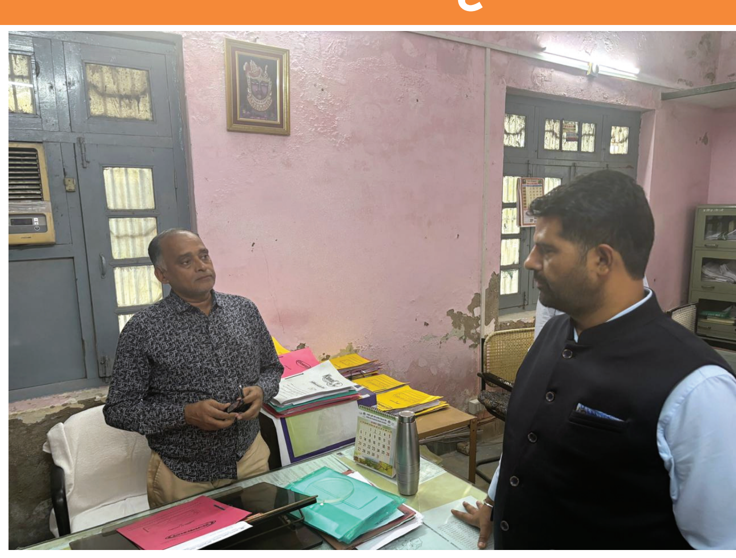

बीमा प्रगति की जानकारी, बुवाई सूचना संकलन की प्रक्रिया, ऑनलाइन बिल प्रक्रिया आदि की जानकारी ली गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आत्मा कार्यालय निरीक्षण के दौरान विभागीय योजनाओं की जानकारी ली गई। इसके अलावा, क्रय विक्रय सहकारी समिति भीलवाड़ा एवं शर्मा बीज भंडार पर आदान व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए

गए। प्रभारी सचिव ने कृषि विज्ञान केंद्र भीलवाड़ा पर उन्नत कृषि प्रक्रियाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त निदेशक कृषि रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि (वि.) गोपाल लाल कुमावत, संयुक्त निदेशक उद्यान महेश चेजारा एवं परियोजना निदेशक आत्मा शंकर सिंह राठौड़ एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राइवेट स्कूल बस पलटी, 20 से ज्यादा स्टूडेंट घायल:

एक छात्रा के सिर में आए 5 टांके; स्टेयरिंग में दिक्कत होने से बेकाबू हुई बस

नमस्ते राजस्थान

कुचामन डीडवाना-कूचामन जिले में एक प्राइवेट स्कूल की बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में करीब 20 से ज्यादा विद्यार्थी घायल हो गए हैं। हादसे के तुंरत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने बस में से स्टूडेंट्स को बस से बाहर निकाला। हादसा सुबह करीब 8:45 बजे, कुचामन सिटी में रिंग रोड के पास हुआ। वहीं सूचना मिलने पर कुचामन थानाधिकारी जगदीश मीणा भी घटनास्थल पर पहुंचे और विद्यार्थियों को एम्बुलेंस की सहायता से कुचामन के जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया।

लोगों ने बस के शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला

प्रत्यक्षदर्शी मनीष शर्मा ने बताया- सुबह पौने नो बजे अचानक बस पलटकर सड़क किनारे आ गिरी, जिससे तेज आवाज आई और बाद में बच्चों की चीख पुकार सुनाई दी। वहीं आसपास के लोग और राहगीरों ने भी मौके पर पहुंचकर बस के शीशे तोड़े और बच्चों को बाहर निकाला। इसके बाद बच्चों और घायल हुए चालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

(श्रद्धांजलि)

(श्रद्धांजलि) स्वर्गीय ओमप्रकाश जी गहलोत उम्र 79 वर्ष बावड़ी चौराहा बङले के पास, मगरा पूंजला, जोधपुर, शोकाकुल , पुष्पा- चेतन चौहान पुत्री जवाई, निकिता- लवेश जी, शिवांगी- वरुण जी दोहिती जवाई , युवराज, (दोहिता)

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रहलाद सबनानी

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था।

भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी

रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है।

भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है।

एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है।

उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा। अंततः इससे शहरों के बुनियादी ढांचे पर लगातार बढ़ रहे दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति की यह विशेषता रही है कि समाज में निवास कर रहे गरीब वर्ग के नागरिकों की सहायता के लिए सक्षम समाज हमेशा से ही आगे रहता आया है। यह सेवा कार्य विभिन्न मंदिरों, मठों, सामाजिक संस्थाओं, सांस्कृतिक संस्थाओं एवं न्यासों द्वारा सफलता पूर्वक किया जाता रहा हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रतिदिन लगभग 10 करोड़ नागरिकों के लिए अन्न क्षेत्रों में भोजन प्रसादी उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार कई सामाजिक, सांस्कृतिक एवं न्यासों द्वारा अस्पताल चलाए जाते हैं, जहां मुफ्त अथवा बहुत ही कम कीमत पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कुछ संस्थानों द्वारा स्कूल भी चलाए जाते हैं जहां गरीब वर्ग के बच्चों को शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रकार समाज के गरीब वर्ग को यदि भोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएं मुफ्त अथवा कम कीमत पर उपलब्ध हो सकती हैं तो उनके द्वारा अर्जित की जा रही आय को अन्य उत्पादों को खरीदने में उपयोग किया जा सकता है जिससे अंततः विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है। यह मॉडल भी केवल भारत में ही दिखाई देता है। वरना, अन्य विकसित देशों में तो कुछ भी मुफ्त नहीं है। विकसित देशों में नागरिकों को केवल अपनी प्रगति की चिंता है, समाज में गरीब वर्ग के अन्य नागरिकों के लिए कोई चिंता का भाव दिखाई ही नहीं देता है। अतः भारत में समाज के नागरिकों द्वारा गरीब वर्ग के सहायतार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को गति देने के प्रयास करने चाहिए, जिससे देश के विकास को और अधिक गति मिल सके।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

ट्रंप के आने के मायने

रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने बहुमत के जादुई आंकड़ों से अधिक मत हासिल किए हैं जो अमेरिकी समाज में उनकी लोकप्रियता के दशार्ता है। वह 2016 में भी चुनाव जीते थे। उनकी यह दूसरी जीत इसलिए भी विशेष मायने रखती है कि इस बार उनकी पार्टी को सीनेट में भी बहुमत मिल गया है। चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। इस घटना ने अमेरिकी समाज को गहरे तक झकझोर दिया था। हमले के समय ट्रंप ने जैसी हिम्मत और दिलेरी दिखाई थी उसे अमेरिकी मतदाता बहुत प्रभावित हुआ था। आम लोगों में या धारणा बनी कि आज की अस्थिर और संघर्ष से जूझ रही दुनिया में ट्रंप जैसे दृढ़ संकल्प वाले नेता की जरूरत है। उनकी ऐतिहासिक जीत में ट्रंप के व्यक्तित्व के इस करिश्माई पहलू की बड़ी भूमिका रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में डेमोक्रेटिक पार्टी के दो बड़े नेताओं ने ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा करके हलचल मचा दी। कॉमेडी परिवार के सदस्य रॉबर्ट एस कैनेड़ी ट्रंप के समर्थन में आ गए। जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक वह पांच फीसद मतदाताओं की पसंद थे। उनके पहले बदलने से कड़ी टक्कर वाले ''स्विंग स्टेट' ट्रंप को भारी सफलता मिली। इसी तरह डेमोक्रेटिक पार्टी की एक और पूर्व नेता तुलसी गबार्ड. ने भी ट्रंप को समर्थन देने की घोषणा की। सैनिक होने के बावजूद तुलसी युद्ध विरोधी हैं। डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर अमेरिका की घरेलू राजनीति के साथ वैश्विक राजनीति पर भी पड़ेगा। घरेलू स्तर पर अमेरिकी समाज और राजनीति में ध्रुवीकरण की प्रक्रिया तेज होगी। विदेश मोर्चे पर ट्रंप बाइडेन प्रशासन से अलग राह पकड़ सकते हैं। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने कहा कि 'मैं युद्ध शुरू नहीं करूंगा बल्कि रोकने की कोशिश करूंगा।' उनकी इस घोषणा से उम्मीद बनती है कि रूस-यूक्रेन युद्ध अब जल्द समाप्त होगा। ट्रंप भारत को ट्रंप से काफी अपेक्षाएं भी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि बाइडेन प्रशासन की शह पर कनाडा जिस तरह से भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है उस पर रोक लगेगी। हालांकि ट्रंप मनमौजी की किस्म के व्यक्ति हैं। वह किसी मुद्दे पर क्या रुख अपनाएंगे यह कहना मुश्किल है। फिर भी ट्रंप की नीतियों से भारत के हित एक हद तक सधेंगे ऐसा कहा जा सकता है।

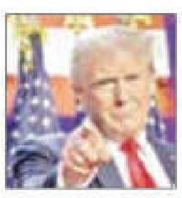

कैसी होगी दूसरे कार्यकाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति?

निरंजन मार्जनी

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। लगभग सारे चुनावी सर्वेक्षण और अनुमानों को गलत साबित करते हुए ट्रम्प ने अपनी प्रतिद्वंदी और अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की।

दुनिया की महासत्ता होने के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव का असर पूरी दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ऐसे में अमेरिका की विदेश नीति का रूख भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे विश्व व्यवस्था भी प्रभावित होती है। ट्रम्प की विदेश नीति क्या रह सकती है यह समझना जरूरी है।

राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प को अलग अलग देशों के नेताओं की तरफ से बधाई संदेश भेजे गए। ट्रम्प ने कुछ नेताओं से फोन पर भी बात की। जिन नेताओं से ट्रम्प ने सबसे पहले बात की उनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान शामिल थे। इस बातचीत के मायने भी विदेश नीति की दृष्टि से देखते हैं।

मोदी के साथ बात करना भारत और अमेरिका के मजबूत रिश्तों को दशार्ता है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में भारत-अमेरिका संबंध मजबूत हुए इसकी एक वजह थी मोदी और ट्रम्प की व्यक्तिगत मित्रता। दोनों नेता एक दुसरे को अपना दोस्त कहते हैं। हालांकि कूटनीति राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर की जाती है लेकिन ऐसी व्यक्तिगत मित्रता भी कई बार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में भी भारत से अमेरिका के दृढ संबंधों की अपेक्षा है।

इसका मतलब है की भारत और अमेरिका के बीच सामरिक रिश्ते और आगे बढ़ सकते हैं। चीन की चुनौती का मुकाबला करने में भारत को अमेरिका का सहयोग मिल सकता है। पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर भी ट्रम्प पुनर्विचार कर सकते हैं। आतंकवाद के खिलाफ पहले भी ट्रम्प भारत का समर्थन और पाकिस्तान का विरोध कर चुके हैं। हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा की खुलकर आलोचना की थी। इस्लामिक आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में ट्रम्प भारत के पक्ष में रहेंगे।

सुरक्षा के अलावा कूटनीति में भी विश्व स्तर पर भारत को संतुलन बनाए रखने की कवायद कम करनी पड़ सकती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत को रूस और पश्चिमी देशों से अपने रिश्ते सामान्य रखने के लिए काफी प्रयास करने पड़ रहे हैं। रूस और रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रम्प का रूख बाइडेन प्रशासन जितना सख़्त नहीं है। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध में दोनों पक्षों की सहमति से समाधान खोजने की बात कही थी।

साथ ही नेतन्याहू और मोहम्मद बिन सलमान से बात करना भी ट्रम्प की आगामी नीति के संकेत हैं। अमेरिका की विदेश नीति में इस्राएल को पारंपारिक रूप से दशकों से सैन्य और आर्थिक समर्थन मिलता आ रहा है। लेकिन जो बाइडेन के कार्यकाल में अमेरिका में इस्राएल-हमास युद्ध में हमास और फिलिस्तीन को भी इजरायल के खिलाफ काफी समर्थन मिला है। लेकिन अब ट्रम्प के कार्यकाल में फिलिस्तीन और हमास पर अमेरिका का रूख कड़ा रह सकता है। उसी तरह सऊदी अरब से भी अमेरिका अपने करीबी रिश्तों को स्थिर रखना चाहेगा। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने पश्चिम एशिया में कोई भी युद्ध शुरू नहीं किया था। बल्कि अमेरिका की मध्यस्थता से चार अरब देशों के इस्राएल के साथ कूटनीतिक संबंध प्रस्थापित हुए थे ।

अगर ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करते हैं तो यह उनकी विदेश नीति की एक बड़ी सफलता होगी।

एक दिलचस्प बात यह है की राष्ट्रपति का चुनाव जीतते ही ट्रम्प ने जिन देशों के नेताओं से बात की, उनमें कोई भी यूरोपीय देशों के नेता नहीं थे। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है की ट्रम्प की यूरोप के प्रति नीति उनके पहले कार्यकाल जैसी ही होगी। 2016 से 2020 तक के अपने कार्यकाल में यूरोपीय देशों से ट्रम्प के रिश्ते बहुत अच्छे नहीं थे। यूरोपीय देशों ने अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद उठानी चाहिए और अमेरिका पर हर वक़्त निर्भर नहीं रहना चाहिए यह ट्रम्प की नीति रही है। साथ ही जो यूरोपीय देश नाटो के सदस्य हैं वे नाटो में पर्याप्त आर्थिक योगदान न देने की वजह से भी ट्रम्प यूरोपीय देशों से नाराज रहे हैं। अगर ट्रम्प यूरोप को समर्थन देना बंद करते हैं तो अपने आप यूक्रेन को मिलने वाली आर्थिक और सैन्य मदद में भी कमी आएगी जिससे रूस-यूक्रेन युद्ध के समाप्त होने के आसार बढ़ सकते हैं।

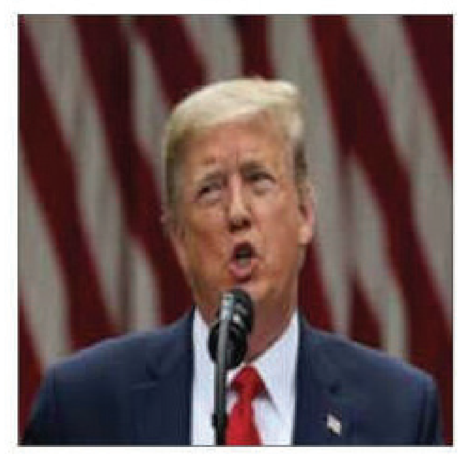

हालांकि यह जानना भी आवश्यक है की ट्रम्प एक ऐसे व्यक्ति हैं जो कूटनीति में व्यापारिक दृष्टिकोण रखते हैं। एक उद्योगपति होने के कारण ट्रम्प हमेशा लाभ और हानि के नजरिये से ही विदेश नीति को देखेंगे। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रम्प इसी नीति के लिए जाने जाते थे। इसका असर दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्व एशिया और प्रशांत महासागर क्षेत्र पर पड़ सकता है। यूरोपीय देशों की तरह ट्रम्प दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया को भी सुरक्षा मामलों में आत्मनिर्भर होने के लिए कह सकते हैं। इससे इस क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो सकता है।

ट्रम्प की जीत को अमेरिका में ही नहीं, पूरी दुनिया में एक उलटफेर के तौर पर देखा जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है की ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में विश्व व्यवस्था में भी काफी बदलाव हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए।

नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए।

मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

भारत : ईमानदारी और शुचिता बेहद जरूरी

सुनिधि मिश्रा

हाल ही में इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2045 तक मधुमेह के रोगियों की संख्या 134 मिलियन होने का अनुमान है। चिंता का विषय यह है कि भारत में मधुमेह का निदान औसतन 10 वर्ष पहले हो रहा है, जो पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम उम्र है। वर्तमान समय में हमारा देश एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है। वह है मेटाबोलिक सिंड्रोम। यह एक जटिल स्वास्थ्य समस्या है जो उच्च रक्तचाप, मधुमेह (उच्च रक्त शर्करा), असामान्य कोलेस्ट्रॉल स्तर और अधिक शरीर वसा जैसे कई लक्षणों का संयोजन है। अक्टूबर 2023 में, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने एक व्यापक अध्ययन जारी किया, जिसमें पाया गया कि भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की दर पिछले पांच वर्षों में 15 फीसद बढ़ गई है। यह वृद्धि विशेष रूप से 30-45 वर्ष की आयु वर्ग में देखी गई है, जो चिंता का विषय है।

भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम की स्थिति चिंताजनक है। विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और मोटापे के संदर्भ में। इन तीनों स्थितियों का मेटाबोलिक सिंड्रोम से गहरा संबंध है और ये एक दूसरे को प्रभावित करती हैं। भारत को 'मधुमेह की राजधानी' के रूप में जाना जाता है, और यह उपाधि बिना किसी कारण के नहीं दी गई है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत में लगभग 77 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित हैं, जो विश्व में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का जोखिम 5 गुना अधिक होता है। भारतीय आबादी में इंसुलिन प्रतिरोध की उच्च दर पाई गई है, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख लक्षण है। मेटाबोलिक सिंड्रोम का दूसरा प्रमुख लक्षण ह्रदय रोग है जो कि भारत में मृत्यु का प्रमुख कारण है। भारत में हर साल लगभग 4.77 मिलियन लोगों की मृत्यु हृदय रोग के कारण होती है। एक अध्ययन के अनुसार, भारतीयों में हृदय रोग का खतरा पश्चिमी आबादी की तुलना में 3-4 गुना अधिक है। मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में हृदय रोग का जोखिम 2 से 3 गुना अधिक होता है। भारत में ह्रदय रोग के मामले युवा आयु वर्ग (30-40 वर्ष) में भी तेजी से बढ़ रहे हैं, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम के बढ़ते प्रसार से जुड़ा हो सकता है। मोटापा भी मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख घटक है और भारत में यह एक बढ़ती हुई समस्या है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-21) के अनुसार, भारत में 24 फीसदी महिलाएं और 22 फीसदी पुरुष मोटापे या अधिक वजन की समस्या से ग्रस्त हैं। शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा और भी अधिक है। एक अध्ययन के अनुसार, मेटाबोलिक सिंड्रोम वाले व्यक्तियों में कोविड-19 के गंभीर लक्षण विकसित होने का खतरा 3.4 गुना अधिक था। महामारी के दौरान लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के कारण लोगों की शारीरिक गतिविधियां कम हुई और खान-पान की आदतें बिगड़ीं, जिसने मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को और बढ़ा दिया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महामारी के दौरान मोटापे के मामलों में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो मेटाबोलिक सिंड्रोम का एक प्रमुख कारक है। महामारी के दौरान से ही वर्क खॅम होम और हाइब्रिड कार्य मॉडल के चलते लोगों की दिनचर्या में बड़े बदलाव आए हैं। एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 68 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि वर्क खॅम होम के दौरान उनकी शारीरिक गतिविधियां कम हुई हैं और 42 फीसदी ने अस्वस्थ खाने की आदतों में वृद्धि की सूचना दी। ये दोनों कारक मेटाबोलिक सिंड्रोम के जोखिम को बढ़ाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में मेटाबोलिक सिंड्रोम से जुड़ी बीमारियों के इलाज पर हर साल लगभग 30 बिलियन डॉलर खर्च होते हैं। कोविड-19 महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर, यह व्यय देश की अर्थव्यवस्था पर एक बड़ा बोझ है।

इस बढ़ती समस्या से निपटने के लिए व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले, जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। सरकार और स्वास्थ्य संगठनों को मेटाबोलिक सिंड्रोम के बारे में जन जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। लोगों को इसके लक्षणों, कारणों और परिणामों के बारे में शिक्षित करना

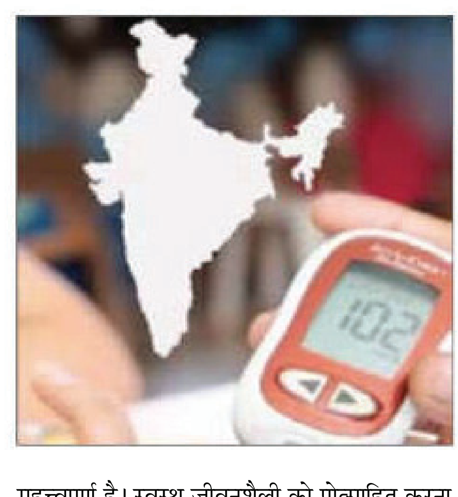

महत्त्वपूर्ण है। स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना दूसरा महत्त्वपूर्ण कदम है। नियमित व्यायाम और संतुलित आहार को बढ़ावा देना चाहिए। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, नियमित व्यायाम करने वाले लोगों में मेटाबोलिक सिंड्रोम का जोखिम 30 फीसद तक कम हो जाता है। आहार में सुधार भी अहम है। पारंपरिक भारतीय आहार, जो फलों, सब्जियों और साबुत अनाज से समृद्ध है, को बढ़ावा देना चाहिए। प्रोसेस्ड और जंक फूड पर कर बढ़ाने जैसे नीतिगत हस्तक्षेप भी मददगार हो सकते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि स्वस्थ समाज ही एक समृद्ध राष्ट्र का आधार है। मेटाबोलिक सिंड्रोम से लड़ना न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे देश के समग्र विकास के लिए भी आवश्यक है।

भगवान श्रीसांवलिया जी की प्रतिमूर्ति ले जाने पर रोक :

पुजारी मंदिर से बाहर नहीं ले जा सकेंगे, रजिस्ट्रेशन के बाद ही धारण कराई जाएगी पोशाक

नमस्ते राजस्थान

चित्तौड़गढ़ चित्तौड़गढ़ के मंडफिया स्थित मेवाड़ के कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर की प्रतिमूर्ति को किसी भी कार्यक्रम में ले जाने पर रोक लगा दी गई है। पुजारियों द्वारा आर्थिक लाभ के लिए प्रतिमूर्ति को मंदिर से बाहर जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। इसे भगवान की गरिमा और महिमा के दृष्टिगत अनुचित बताते हुए यह फैसला लिया गया है। साथ ही भगवान को धारण कराई जाने वाली पौशाक श्रद्धालु से सीधे लेने के बजाय मंदिर कार्यालय में पंजीयन के बाद ही धारण कराने की व्यवस्था लागू की गई है। सांवलियाजी मंदिर बोर्ड एवं प्रशासन ने पुजारियों के साथ बैठक करते हुए यह फैसला लिया। बोर्ड ?कार्यालय में सांवलियाजी मंदिर? मंडल अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर की? अध्यक्षता में गुरुवार को यह बैठक हुई। इस दौरान चर्चा हुई कि काफी समय से श्री सांवलिया जी मंदिर के कुछ पुजारियों द्वारा सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक कार्यक्रमों में सांवरा सेठ की प्रतिमूर्ति को ले जाया जा रहा था। बदले में आर्थिक लाभ लिया जा रहा है। कुछ भक्तों ने मंदिर में इसकी जानकारी दी है। इस कारण पुजारियों को पाबंद करते हुए यह फैसला लिया गया है।

घर पर ले जाने पर रुपए लेते थे पुजारी

एडीएम (प्रशासन) और श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल की सीईओ प्रभा गौतम ने एक आदेश जारी करते हुए सांवरा सेठ की प्रतिमूर्ति को अन्य प्रोग्राम में ले जाने पर रोक लगा दी हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर पुजारियों की प्रतिमूर्ति का साथ फोटो शेयर हुई। उदयपुर से आया एक भक्त श्री सांवलिया सेठ के दरबार पहुंचा और खुद के घर सांवरा सेठ के आने की बात कही। जब मंदिर मंडल के सदस्यों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने इस संबंध में पूछताछ की। भक्त ने बताया कि उनके घर के प्रोग्राम में ठाकुर जी पांवणा बनकर आए थे। इसके लिए उन्होंने पुजारी को रुपए भी दिए थे। उसके बाद ऐसा एक नहीं बल्कि कई मामले सामने आते गए। अधिकतर भक्त उदयपुर जिले के रहने वाले थे। इस बात का खुलासा होते ही मंदिर मंडल के सदस्यों के होश उड़ गए। पहले शालिग्राम जी को तुलसी विवाह के दौरान पांवणा बनाकर ले जाया जाता था, लेकिन कई सालों पहले इस पर भी रोक लगा दी गई थी।।

अन्य जानकारी आने पर होगी कार्रवाई

अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम ने बताया कि पुजारियों द्वारा यात्रियों से सहज व्यवहार रखने के साथ ही अलग-अलग निजी सामाजिक, धार्मिक और व्यावसायिक प्रोग्राम्स में भगवान श्री सांवलिया सेठ की प्रतिमूर्ति को ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इससे मंदिर मंडल का कोई संबंध नहीं है। पुजारियों को ऐसा ना करने पर पाबंद किया गया है। साथ ही, आगे से ऐसी जानकारी आने पर उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की हिदायत भी दी गई है।

भक्तों से सीधे पोशाक नहीं ले पाएंगे पुजारी

एडीएम प्रभा गौतम ने बताया कि मंदिर मंडल की ओर से पोशाक रोज दी जाती है। लेकिन पुजारी खुद भक्तों से सीधे पोशाक लेकर ठाकुर जी का श्रृंगार चेंज कर देते है। ऐसे में पुजारियों को भगवान श्री सांवलिया सेठ की छवि में किसी भी तरह का अलग श्रृंगार कर परिवर्तन नहीं करने की हिदायत दी गई है। भगवान की पोशाक मंदिर मण्डल के सदस्य हर रोज उपलब्ध करवाएंगे। मंदिर पुजारी खुद किसी भी यात्री से अपने स्तर पर पोशाक लेकर ठाकुर जी धारण नहीं करवा सकते। सांवलियाजी मंदिर बोर्ड की बैठक में मंदिर मंडल के अध्यक्ष भैरूलाल गुर्जर, सदस्य श्री लाल पाटीदार, ममतेश शर्मा, अशोक शर्मा, शंभू सुथार, संजय मंडोवरा, प्रमुख पुजारी द्वारका दास, अन्य पुजारी, शिवशंकर पारीक प्रशासनिक अधिकारी-प्रथम, नंदकिशोर टेलर प्रशासनिक अधिकारी-द्वितीय सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

मान्यता है कि वट वृक्ष के नीचे से मिले थे सांवलिया सेठ

बताया जाता है कि मंडफिया में रहने वाला एक ग्वाला भोलाराम गुर्जर रोज बागुण्ड तक गाय चराने जाता था। एक दिन उसे सपना आया कि वट के वृक्ष के नीचे सांवलिया सेठ की मूर्ति है। पहले तो ग्वाले ने ध्यान नहीं दिया। फिर दुबारा सपना आने पर उसने अपने हाथों से खुदाई की। वहां चार मूर्ति निकली। एक खंडित थी, जिसे वहीं रखा गया। इसके अलावा एक मूर्ति को स्थापित कर दिया गया। यह वही स्थान है, जिसे मंदिर का प्राकट्य स्थल कहा जाता है। एक मूर्ति भदसोडा गांव में स्थापित की गई। चौथी मूर्ति को भोलाराम मंडफिया लेकर आया और अपने घर के परिण्डे में स्थापित कर पूजा पाठ शुरू कर दी। धीरे-धीरे तीनों स्थानों पर मंदिरों और खासतौर पर मंडफिया में उसके घर वाले मंदिर की ख्याति तेजी से फैलने लगी।

पार्टनरशिप का वचन पूरा करते हैं भक्त

ऐसी मान्यता है कि जितना वे यहां चढ़ाएंगे, सांवलिया सेठ उनके खजाने को उतना ज्यादा भरेंगे। ऐसे में कई लोगों ने अपने खेती से लेकर व्यापार और वेतन तक में सांवलिया सेठ का हिस्सा रखा हुआ है। ऐसे लोग हर माह मंदिर आते हैं और उसके हिस्से की राशि चढ़ाकर जाते हैं। भक्त यह राशि 2 से लेकर 20 प्रतिशत तक हिस्सेदारी के रूप में रखते हैं। इसके प्रति वे बेहद ईमानदार हैं। यानी भगवान के साथ जितनी पार्टनरशिप का कमिटमेंट या वचन दिया हुआ है, उसे वे हर माह यहां उतना चढ़ावा चढ़ाकर पूरा करके ही जाते हैं। यह भी बताया जाता है कि इस चढ़ावे की बकायदा अपने खाते में एंट्री तक करते हैं। जिस तरह एक बिजनेस पार्टनर की एंट्री की जाती है।

शिक्षा और चिकित्सा में खर्च होता है दान का पैसा

मंदिर मंडल ने 16 गांवों की जिम्मेदारी ले रखी है। यहां पर सीसी रोड, नाली निर्माण, मंदिरों का निर्माण, मंदिरों का जीर्णोद्धार, पेयजल व्यवस्था, सामुदायिक भवन, शिक्षा, चिकित्सा से लेकर सभी विकास कार्य मंदिर मंडल द्वारा ही किया जाता है। कई सालों से यहां के सभी कार्य सांवलिया मंदिर मंडल के खजाने से ही होता है। इसके अलावा भी गौशाला निर्माण और उसके पूरे विकास कार्य की जिम्मेदारी भी मंदिर मंडल की है।

राजस्थान में बंद नहीं होगी 23 हजार खदानें

सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मंजूरी की समय सीमा बढ़ाई; 15 लाख लोगों की नौकरी पर था संकट

नमस्ते राजस्थान

जयपुर सुप्रीम कोर्ट से राजस्थान सरकार को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश की समय सीमा को बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अब प्रदेश में ऐसी 23 हजार खदानों के बंद होने का संकट हट गया है, जिन्हें राज्य स्तर पर पर्यावरण मंजूरी नहीं मिली थी। अब वे खनन जारी रख सकेंगी। इन खदानों में करीब 15 लाख लोग काम कर रहे

सरकार की अपील पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस मनोज मिश्रा की बैंच ने कहा- जब तक सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं कर लेता है, तब तक खनन जारी रखा जा सकता है। अब सुप्रीम कोर्ट 12 नवंबर को मामले की सुनवाई करेगा। राज्य सरकार की ओर से शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और राजस्थान के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने पैरवी की। दरअसल, इस मामले में राजस्थान सरकार को तब झटका लगा जब ठन्ध्र्ळ ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की ओर से समय सीमा बढ़ाने के लिए किए गए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य भी प्रभावित हो जाते

प्रदेश सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने बताया- अगर यह खदानें बंद हो जाती तो राज्य में बेरोजगारी, सामाजिक अशांति और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता। इससे प्रदेश में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य भी प्रभावित हो जाते। इन खदानों में काम करने वाले करीब 15 लाख श्रमिकों की नौकरी पर भी संकट आ जाता। ऐसे में एमओईएफ की राज्य पर्यावरणीय प्राधिकरण द्वारा आवेदनों के पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए हमने सुप्रीम कोर्ट से एक साल का समय बढ़ाने की मांग की थी। क्योंकि एसईआईएए में सीमित ढांचा और स्टाफ होने के कारण वह इस समय सीमा में उसे पूरा करना संभव नहीं था। प्राधिकरण द्वारा अब तक प्राप्त आवेदनों में से कुछ का ही मूल्यांकन किया गया था। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- हमने सरकार में आते ही प्रकरणों की अधिकता और लीज धारकों और लाइसेंस धारकों के पुनर्मूल्यांकन कार्य की अधिकता को देखते हुए पहले से स्थापित दो स्टेट एक्सपर्ट अप्रेजल कमेटी (रएअउ) के अतिरिक्त 11 जून 2024 को अधिसूचित कर अलग से जोधपुर और उदयपुर में सीईएसी स्थापित की गई। इससे कार्य में गति भी आई। चारों सीईएसी द्वारा निरंतर कार्य कर लगभग 6,500 प्रकरण परीक्षण कर प्रक्रिया में लाए गए थे।

10 साल का बच्चा कुएं में डूबा, मौत:

पिता के साथ खेत पर गया था, किसान का इकलौता बेटा था

नमस्ते राजस्थान

कोटा 10 साल के बच्चे की कुएं में डूबने से मौत हो गई। बच्चा अपने पिता के साथ खेत पर गया था। इस दौरान कुएं में गिर गया और डूबने से मौत हो गई। घटना बूंदी जिले के तालेड़ा थाना क्षेत्र जाखमुंड गांव में गुरुवार दोपहर की है। तालेड़ा थाना अरकदेशराज ने बताया- जाखमुंड गांव के रहने वाले हीरालाल के बेटे जितेंद्र (10) की कुएं में डूबने से मौत हुई है। बच्चा क्लास 5ङ में पढ़ता था। परिजनों ने किसी पर शक जाहिर नहीं किया है।

पिता खेत से घर गए, बेटा नहीं मिला

सरपंच हंसराज बंजारा ने बताया- गांव में रहने वाले हीरालाल गुरुवार सुबह 10 बजे के करीब खेत पर गए थे। उनका 10 साल का इकलौता बेटा जितेंद्र भी साथ था। हीरालाल खेत में काम कर रहे थे। वहीं उनका कुएं की मेड पर बैठ गया। दोपहर 3 बजे के करीब हीरालाल को बेटा दिखाई नहीं दिया। आस-पास तलाश करने पर भी पता नहीं चला। इसके बाद वे घर चले गए। घर पर नहीं मिलने पर वापस खेत में गए। खेत में कुएं के आस-पास देखा तो बेटे की चप्पल पानी में तैरती दिखी। इसके बाद कुएं में तलाश की गई। शाम साढ़े 4 बजे के करीब बच्चे का शव बाहर निकाला गया। पिता ने कहा वह खेती के काम से जुड़ा है। सरकार से उचित आर्थिक मदद की मांग की है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले-धर्म का उपयोग वोटबैंक के लिए करना अपराध : मैं धर्मगुरु नहीं, धर्म का सिपाही हूं;भेदभाव मिटेगा, तभी देश तरक्की करेगा

नमस्ते राजस्थान

राजसमंद बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- धर्म से राजनीति चलती है, लेकिन राजनीति से धर्म नहीं चलता है। मैं इस बात के भी खिलाफ हूं कि धर्म का उपयोग राजनीतिक वोट बैंक के लिए किया जाए। ये सबसे बड़ा अपराध है। धर्म स्वतंत्र है। धारणा का विषय है। प्राचीन परंपराओं को जीवंत रखने का विषय है। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री कहा कि वे धर्मगुरु नहीं बल्कि धर्म के सिपाही हैं। धीरेंद्र शास्त्री शुक्रवार सुबह राजसमंद के नाथद्वारा पहुंचे थे। यहां उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में मंगला झांकी के दर्शन किए।

'भेदभाव मिटेगा, तभी देश प्रगति करेगा'

दर्शन के बाद मंदिर की परंपरा के अनुसार उपरना और रजाई ओढ़ाकर तथा प्रसाद भेंट कर धीरेंद्र शास्त्री का स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ कथावाचक इंद्रेश महाराज भी थे। मीडिया से बातचीत में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि देश अन्य देशों के मुकाबले में और प्रगति करे। वो तभी होगा जब एक होंगे, भेदभाव मिटेगा, छुआछूत, जात-पात मिटेगा। तभी यहां नए विचार, नए संकल्प संगठित होंगे। नए विचारों के साथ नए कार्य प्रारंभ होंगे। निश्चित रूप से आर्थिक रूप से, राजनीतिक रूप से, धार्मिक रूप से भारत समृद्ध देश बनेगा, विश्व गुरु पुनः स्थापित होगा। 'वक्फ बोर्ड खत्म किया जाए' इससे पहले गुरुवार को भीलवाड़ा में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि भारत में सीमा (सीमा हैदर, पाक से भारत आई) और हसीना (शेख हसीना, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री) दोनों ही सुरक्षित हैं। यह अद्भुत देश है। यहां आने वाले दूसरे धर्म के लोगों को भी हम सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा था कि वक्फ बोर्ड को पूरी तरह खत्म किया जाए या फिर सनातन बोर्ड का भी गठन किया जाए। एक देश में दो तरह के कानून नहीं होने चाहिए। वक्फ बोर्ड को बंद कर देना चाहिए या फिर हिंदुओं के लिए भी सनातन बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए।

राजस्थान के उपचुनाव में हुई जम्मू-कश्मीर की एंट्री..

सीएम भजनलाल ने दिया चैलेंज.. बोले-

‘राहुल के पापा’ भी आ जाएं तो भी बहाल नहीं होगी धारा 370!

मुख्यमंत्री ने गिनाई अपने कार्यकाल की उपलब्धियां

चुनावी रैली में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करने के दौरान सीएम भजनलाल ने कांग्रेस पर जमकर किए प्रहार

कहा-अभी तो ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है

जयपुर।

प्रदेश में उपचुनाव की तैयारियों में बीजेपी ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में टोंक जिले की देवली-उनियारा विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी राजेन्द्र गुर्जर के समर्थन में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सभा को संबोधित किया। सीएम भजनलाल ने कहा कि हम चुनाव में अपना संकल्प पत्र लेकर आए थे। हमने जो संकल्प पत्र में कहा था और 11 महीने में 50 प्रतिशत काम पूरे किए है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धारा 370 की बहाली के प्रस्ताव और सदन में चले लात घूंसों पर कांग्रेस की नीयत पर सवाल उठाते हुए हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धारा 370 को हटाने वालों के विरोध में खड़ी है। लेकिन, मैं कहता हूं कि राहुल गांधी तो क्या उनके पापा भी ऊपर से नीचे आ जाये तो अब धारा 370 पर स्थिति नहीं बदल सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम एक साल पूरा होने पर जनता के बीच जाएंगे और काम जनता को बताएंगे। भजन लाल शर्मा ने पेपर लीक पर बोलते हुए कहा कि पिछले 5 सालों में युवाओं के हितों पर पिछली सरकार ने कुठाराघात करने का काम किया 19 में से 17 पेपर पिछली कांग्रेस में राजस्थान में लीक हुए थे। सीएम ने कहा कि हमने राममंदिर की तारीख भी बताई और मंदिर भी बनाकर दिया। कांग्रेस देश में भ्रष्टाचार की जननी है। कांग्रेसी नफरत की भाषा बोलते है, कन्हैया लाल की मौत पर यह कांग्रेसी मुंह पर टेप लगाकर बैठे थे। कांग्रेस बांटने का काम करती है। हमारी डबल इंजन की सरकार है आपने इसका काम देखा है प्रदेश के सातों सीटों पर कांग्रेस की एक भी सीट नहीं आएगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी अशोक गहलोत पर साधा निशाना

सभा को संबोधित करते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राजेंद्र गुर्जर सर्वाधिक वोटों से जीतकर विधानसभा में जाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर कहा कि उनके खिलाफ भी अशोक नगर थाने में मामला दर्ज है। यह (भाजपा) वह सरकार है जो न खाऊंगा न खाने दूंगा के आधार पर काम करती है। उन्होंने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, रॉबर्ट वाड्रा समेत एक दर्जन नेताओं के नाम गिनाते हुए हमला किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। उनके नेता जमानत पर चल रहे हैं। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर कांग्रेस के नेता आए, तो उनसे पूछना कि यह लोग जेल में क्यों हैं?

मुख्यमंत्री ने गिनाई अपने कार्यकाल की उपलब्धियां

इस दौरान सीएम भजन लाल ने अपने कार्यकाल की विभिन्न उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि आने वाले सालों में सरकार किसानों को दिन में भी बिजली उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि हमने युवाओं से वादा किया है कि हम उन्हें सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी देंगे, जिसे हम निभाएंगे। सीएम ने पेपर लीक मामले को लेकर फिर से कांग्रेस पर निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 200 से ज्यादा लोगों को जेल में डाला है और अभी भी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ऐसी है, जो ना तो खाएगी, ना किसी को खाने देगी।

इधर, ‘कत्ले आम’ से पारा उबाल पर, बीजेपी-कांग्रेस के दो दिग्गज नेता आमने-सामने

उपचुनावों के बीच कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों के नेताओं के बीच जमकर सियासी जुबानी जंग छिड़ी हुई है। इधर, पूर्व मंत्री रघु शर्मा के कत्ले आम के बयान पर अब सियासत गरमा गई है। बीते दिनों पूर्व मंत्री रघु शर्मा ने विवादित बयान दिया कि 13 नवंबर के बाद बीजेपी राजस्थान में कत्ले आम मचाएगी। इसको लेकर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने रघु शर्मा को घेरते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कत्लेआम तो कांग्रेस ने मचाया है, जहां आतंकवादियों ने कश्मीर में निर्दोष लोगों को मारा और लाखों पंडितों को कश्मीर से बाहर निकाला गया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि हम तो कत्ले आम करने वाले लोगों को जेल में डालते हैं। पूर्व मंत्री रघु शर्मा के बयान का विवादित वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस बयान में रघु शर्मा ने बीजेपी को जमकर घेरा।

हरमाड़ा में ट्रक ने बाइक को कुचला, बाइक सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत

जयपुर।

राजधानी के हरमाड़ा थाना इलाके में ट्रक और बाइक की जबरदस्त भिड़ंत में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि बाइक सवार तीन युवकों के चिथड़े बिखर गए। सूचना मिलते ही हरमाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों मृतकों के शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। हादसा हरमाड़ा इलाके में न्यू लोहा मंडी रोड माचड़ा के पास हुआ। सब इंस्पेक्टर भरत लाल के मुताबिक हरमाड़ा इलाके में न्यू लोहा मंडी रोड माचड़ा के पास शुक्रवार को ट्रक और बाइक का एक्सीडेंट होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे में बाइक सवार दौसा के महुआ निवासी सुरेंद्र, जयपुर निवासी दिनेश और मुरलीपुरा निवासी कन्हैया बैरवा की मौत हो गई। तीनों युवक मजदूरी का काम करते थे। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

अनीता चौधरी हत्याकांड

मृतका का पति और बेटा पहुंचे बेनीवाल की शरण में, हनुमान बोले-मांगे माननी होंगी

जोधपुर।

अनीता चौधरी हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन मुंबई में पकड़ा गया है, जिसे पुलिस जोधपुर लेकर आ रही है। इसी प्रमुख मांग को लेकर अनिता के पति और पुत्र धरने पर बैठे थे। गुलामुद्दीन की गिरफ्तारी के बाद कयास लगाया जा रहा था कि 7 दिन से चल रहा धरना समाप्त हो जाएगा और अनीता के शव का पोस्टमार्टम हो सकेगा। लेकिन गुलामुद्दीन की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार सुबह वीर तेजा मंदिर परिसर से दोनों निकलकर नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के पास चले गए। जहां से बेनीवाल ने फिर धरना देने की घोषणा कर दी है। इसके लिए अपने भाई पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल को जोधपुर जाने के निर्देश दिए हैं। सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाया है कि पुलिस परिजनों को धमका रही है। उनको गिरफ्तारी का भय दिखा रही है। लेकिन हम डरने वाले नहीं है। सरकार को पहले डीसीपी को हटाना होगा, जो अधिकारी आरोपियों को बचा रहे हैं, उनको हटाना होगा। परिवार को मुआवजा और सीबीआई जांच करवानी होगी। पुलिस की दादागिरी नहीं चलने देंगे। बेनीवाल ने परिजनों को आश्वस्त किया कि वे आराम से जाएं, उनका भाई नारायण, आरएलपी की टीम के साथ धरना स्थल पर जाएंगे। बेनीवाल के बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि अनीता चौधरी के पोस्टमार्टम में और देरी हो सकती है। क्योंकि परिजनों की सबसे बड़ी मांग गुलामुद्दीन की गिरफ्तारी थी। लेकिन अब बेनीवाल के डीसीपी हटाने, मुआवजा देने और सीबीसी जांच की मांग उठाई जाने से यह मामला और लंबा खींच सकता है।

माइंस एवं पेट्रोलियम सेक्टर के राइजिंग राजस्थान प्री समिट में 63 हजार 463 करोड रुपये के एमओयू

63 हजार 463 करोड रुपये के एमओयू का आदान प्रदान

जयपुर

। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के सानिध्य में माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग के राइजिंग राजस्थान प्री समिट में शुक्रवार को 63 हजार 463 करोड रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित और आदान प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित एमओयू समारोह में राज्य सरकार की और से प्रमुख शासन सचिव माइंस टी. रविकान्त व निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल और एमओयू करने वाली संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों के बीच करार पत्रों का आदान प्रदान हुआ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने निवेशकों से आगामी 9, 10, 11 दिसंबर को आयोजित राइजिंग राजस्थान समिट में अधिक अधिक से निवेश प्रस्ताव के साथ आगे आने का आह्वान करते हुए प्रदेश के विकास यात्रा में भागीदार बनने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश के अनुकूल वातावरण बनाया गया है इससे प्रदेश की प्रगति, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर विकसित होंगे।

शर्मा ने जापान और कोरिया यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि जापान के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे राजस्थान में अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं इसी तरह से कोरिया की कोरियन स्टोन कंपनी सहित कंपनियों ने भी राजस्थान में निवेश में रुचि दिखाई है। मेरा आग्रह है कि राजस्थान में काम कर रही देशी विदेशी कंपनियां अपने मुनाफे को प्रदेश में ही औद्योगिक विकास के लिए निवेश करें ताकि प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में सोना, चांदी, लेड, जिंक, मार्बल, ग्रेनाइट सहित विभिन्न खनिजों के विपुल भण्डार है। सीकर के रोहिल में यूरेनियम के खनन के लिए यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इण्डिया को एलओआई जारी किया गया है वहीं बाड़मेर, जालौर, नागौर आदि में दुर्लभतम खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट के भण्डार मिले हैं। हमारी सरकार आरईई को बढ़ावा देने के लिए सेंटर फॉर एक्सिलेंस स्थापित करने जा रही है। पिछले सात माह में ही 32 मेजर खनिज ब्लॉकों की नीलामी कर हम देश में प्रथम आ गए हैं। उन्होंने कहा कि नई खनिज नीति में खनिजों के खोज कार्य में तेजी लाने, खनिज रियायतों का समय पर आवंटन, खनन क्षेत्रों के विकास, खनिज बजरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, प्रक्रिया को आसान व पारदर्शी बनाने, खनन क्षेत्र में नवीनतम तकनीक का उपयोग सहित प्रदेश में खनिज क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, रोजगार और राजस्व बढ़ाने पर जोर रहा है।

शर्मा ने कहा कि राज्य की नई एम-सेण्ड नीति में प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों के संचालन में आसानी एवं उत्पादन की दृष्टि से निवेशकों के अनुकूल बनाने के साथ ही निवेशकों को रिप्स के माध्यम से सहायता और आमनागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड की सहज उपलब्धता सुनिष्चित करने पर बल है। उन्होंने कहा कि राज्य में देश के कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत क्रूड ऑयल और प्रतिदिन 3.3 मिलियन घनमीटर प्राकृतिक गैस का उत्पादन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया विकसित राजस्थान बनाने में माइनिंग सेक्टर की प्रमुख भूमिका है। राज्य में संपर्क सड़कों के तेजी से विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली मुंबई इण्डस्ट्रियल कोरिडोर क्षेत्र में स्टोन पार्क विकसित करने की संभावनाओं को तलाशा जाएगा ताकि प्रदेश के स्टोन्स को एक ही स्थान पर प्रदर्शित कर देश दुनिया के सामने रखा जा सके।

सीजेआईः ‘अगर मैंने किसी का दिल दुखाया हो तो माफी चाहूंगा...’, विदाई समारोह में बोले सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली।

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ रविवार को पद से मुक्त हो जाएंगे। लेकिन 9 और 10 तारीख को शनिवार व रविवार को कोर्ट की छुट्टी रहेगी। इसलिए, उनके सम्मान में विदाई समारोह आज ही आयोजित किया गया। सुप्रीम कोर्ट में आज उनका अंतिम कार्य दिवस है। 10 नवंबर को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की सेवानिवृत्ति के बाद न्यायमूर्ति संजीव खन्ना उनका स्थान लेंगे। वह देश के 51वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 9 नवंबर 2022 को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। 13 मई 2016 को उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय से पदोन्नत किया गया था।

‘जब मैं छोटा था, सुप्रीम कोर्ट आकर देखी थी कार्रवाई’

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने विदाई समारोह के मौके पर भावुक होते हुए कहा, 'रात को मैं सोच रहा था कि दोपहर दो बजे कोर्ट खाली होगा और मैं स्क्रीन पर खुद को देख रहा होउंगा। आप सभी की मौजूदगी से मैं अभिभूत हूं।' सीजेआई ने कहा, 'जब मैं छोटा था, तो सुप्रीम कोर्ट में आकर यहां की कार्यवाही और कोर्ट में लगी दो तस्वीरों को देखता था। उन्होंने कहा, बॉम्बे हाईकोर्ट में भी न्यायमूर्ति चागला का बहुत प्रभाव था।'

'हम सब यात्रियों की तरह, कुछ समय के लिए आते हैं...'

उन्होंने आगे कहा, 'हम सभी यहां यात्रियों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए आते हैं, अपना काम करते हैं और फिर चले जाते हैं। कोर्ट के रूप में यह संस्थान हमेशा चलता रहेगा और इसमें विभिन्न विचारों वाले लोग आते रहेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे बाद न्यायमूर्ति खन्ना इस संस्थान को मजबूती और गरिमा के साथ आगे बढ़ाएंगे।'

सीजेआई ने यह भी बताया कि वह न्यायमूर्ति जे.बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा के साथ बैठकर काम करने के अनुभव को बहुत याद करेंगे। उन्होंने कहा, 'यही कोर्ट है, जो मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते थे और ये अनुभव जीवन को एक नया दृष्टिकोण देते हैं।'

23 हजार खानें नहीं होगी बंद, भजनलाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

जयपुर।

जयपुर। राजस्थान की 23 हजार खानें और 15 लाख लोगों के रोजगार पर आए संकट मामले में भजनलाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने एनवायरमेंट क्लीयरेंस के अभाव में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के खनन बंदी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। ऐसे में अभी प्रदेश की 23 हजार खानें बंद नहीं होगी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान इस मामले में अब फिर से 12 नवंबर को सुनवाई होगी।

दरअसल, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सात नवम्बर तक पर्यावरणीय मंजूरी नहीं लेने वाली खानों को बंद करने का आदेश दिया था। ऐसे में राजस्थान की करीब 23 हजार खानों पर बंद होने का खतरा मंडराने लगा था। साथ ही 15 लाख लोगों का रोजगार भी खतरे में पड़ गया था। 15 लाख लोगों का रोजगार बचाने के लिए राजस्थान सरकार गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने जल्द सुनवाई के लिए गुहार लगाई थी। जिस पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डी वाई चन्द्रचूड ने राज्य सरकार का आग्रह मान लिया था।

इस मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और राजस्थान के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने अपना पक्ष रखा। इन्होंने पर्यावरणीय नियमों की पालन करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रदेश की 23 हजार खानों के लाइसेंस की समय सीमा बढ़ाने की अपील की। ऐसे में एनवायरमेंट क्लीयरेंस के अभाव में सुप्रीम कोर्ट ने खनन बंदी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। अब इस मामले में 12 नवंबर को फिर से सुनवाई होगी। अच्छी बात ये है कि अभी फिलहाल, प्रदेश की 23 हजार खानें बंद नहीं होगी। जिससे 15 लाख लोगों के रोजगार पर संकट टल गया है।

सुप्रीम कोर्ट में की गई ये अपील

राज्य सरकार ओर से सुप्रीम कोर्ट में अपील दी गई कि 23 हजार खानों के बंद होने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। साथ ही 15 लाख से ज्यादा मजदूरों का रोजगार प्रभावित हो जाएगा। इनमें शहीदों के परिवार और अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवार भी शामिल हैं। इसके अलावा निर्माण गतिविधियां रुक जाएंगी और निर्माण सामग्री भी महंगी हो जाएगी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने अभी खनन कार्य जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

ट्रंप की जीत के बाद बड़ा ऐलान, अमेरिका में दूसरी बार ब्याज दरों में कटौती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का असर अब अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व पर भी साफ देखने को मिल रहा है। फेड ने नवंबर महीने के साइकिल में उम्मीद से कम ब्याज दरों में कटौती की है। अनुमान लगाया जा रहा था कि अमेरिकी सेंट्रल बैंक ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती करेगा। लेकिन ट्रंप की जीत के बाद ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती देखने को मिली है।

- ब्याज दर घटने से अमेरिकी शेयर बाजार में देखने मिली तेजी

ब्याज दरों में कटौती वो भी टंप की जीत के बाद बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। जिसकी वजह से अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। जिसका असर इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमतों में देखने को मिल रहा है। सितंबर के महीने में फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की कटौती देखने को मिली थी।

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड ने ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की

इन अमेरिकी कंपनियों के शेयरों में दिख रही तेजी

अगर बात शेयरों की करें तो टेस्ला के शेयरों में मौजूदा समय में 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है और कंपनी का शेयर रिकॉर्ड 299.75 डॉलर पर पहुंच गया है। एप्पल के शेयर में करीब 2 फीसदी का इजाफा देखा जा रहा है। अमेजॉन के शेयर में 1.26 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। वहीं गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयर में 1.63 फीसदी का इजाफा देखने को मिल रहा है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के शेयर में 3.53 फीसदी की तेजी देखी जा रही है।

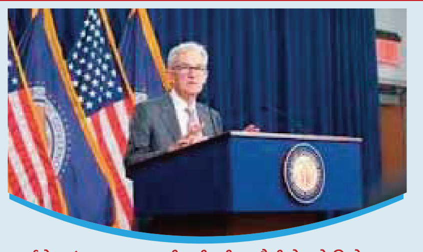

वर्ष के अंत तक एक फीसदी की कटौती देखने मिले : साल के अंत तक फेड रेट में एक फीसदी की कटौती देखने को मिल सकती है। वैसे अमेरिका में इलेक्शन के नतीजों से पहले अनुमान फेड रेट कट में 0.50 फीसदी का लगाया जा रहा था। लेकिन ट्रंप की जीत के बाद इस अनुमान में गिरावट देखने को मिली और 0.25 फीसदी पर आ गया।

अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी

फेड रेट कट के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। आंकड़ों के अनुसार नैस्डैक 1.20 फीसदी यानी 227.35 अंकों की तेजी के साथ 19,210.81 अंकों पर कारोबार कर रहा है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान नैस्डैक ब्याज दरों में कटौती से पहले 19,256.99 अंकों के साथ 52 हफ्तों के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था। वहीं दूसरी ओर एसएंडपी 500 0.57 फीसदी यानी 33.99 फीसदी के साथ 5,963.03 अंकों पर कारोबार कर रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट

विदेशी कोषों की निकासी जारी रहने और रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक एवं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जैसे दिग्गज शेयरों में बिकवाली से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 55.47 अंक की गिरावट के साथ 79,486.32 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 51.15 अंक गिरकर 24,148.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

खबर संक्षेप

एसबीआई का दूसरी तिमाही मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का चालू वित्त वर्ष (2024-25) की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 19,782 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक ने 16,099 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

पेज इंडस्ट्रीज के मुनाफे में 30 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। परिधान बनाने वाली कंपनी पेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 195.25 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का 2023-24 की दूसरी तिमाही (सितंबर) में शुद्ध लाभ 150.27 करोड़ रुपये रहा था। दूसरी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 11.06 प्रतिशत बढ़कर 1,246.27 करोड़ रुपये हो गई।

एमआरएफ का लाभ 19% घटकर 470.70 करोड़ रुपए

मुंबई। टायर बनाने वाली कंपनी एमआरएफ का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 19 प्रतिशत गिरकर 470.70 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शुद्ध लाभ 586.60 करोड़ रुपये रहा था। उसकी परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 6,881.09 करोड़ रुपये रही है।

वेदांता लिमिटेड को 4,352 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। खनन समूह वेदांता लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 4,352 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने शुक्रवार को सितंबर, 2024 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना शेयर बाजार को दी। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 1,783 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था।

एलआईसी का लाभ 4 फीसदी गिरकर 7,621 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.8 प्रतिशत गिरकर 7,621 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी का पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में शुद्ध लाभ 7,925 करोड़ रुपये रहा था।

टाटा मोटर्स के लाभ में 9.9 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 9.9 प्रतिशत घटकर 3,450 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 3,832 करोड़ रुपये रहा था। टाटा मोटर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी एकीकृत परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में 1,00,534 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,04,444 करोड़ रुपये थी।

एक सांसद व दो अन्य ने बुच के खिलाफ शिकायत की थी

लोकपाल ने सेबी प्रमुख बुच से रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग के आरोपों पर 'स्पष्टीकरण' मांगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भ्रष्टाचार-रोधी निकाय लोकपाल ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के संदर्भ में उनसे 'स्पष्टीकरण' देने को कहा है। एक लोकसभा सांसद और दो अन्य लोगों ने बुच के खिलाफ इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी।

एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक, लोकपाल ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के खिलाफ आई शिकायतों पर शुक्रवार को उनसे स्पष्टीकरण मांगा। बुच से चार सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। हालांकि, लोकपाल ने यह स्पष्ट किया है कि उसका आदेश केवल 'प्रक्रियागत निर्देश' है और 'इस मामले में किसी भी तरह से उसकी राय नहीं अभिव्यक्त करता है।'

स्पष्टीकरण के लिए बुलाना उचित

लोकपाल का यह आदेश कहता है, ''हम नामित प्रतिवादी लोक सेवक (आरपीएस) को संबंधित शिकायतकर्ता की तरफ से उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और संबंधित हलफनामे में विस्तार से बताए गए आरोपों के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाना उचित समझते हैं।''

बुच तीनों शिकायतों पर जवाब दे सकती है

आदेश के मुताबिक, आरोपों की जांच के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनने के बारे में फैसला करने के पहले नामित आरपीएस को लोकपाल अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (एक) के तीसरे प्रावधान के तहत स्पष्टीकरण का अवसर दिया जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि बुच दोहराव से बचने के लिए तीनों शिकायतों में शिकायत के हिसाब से अपना जवाब या स्पष्टीकरण पेश कर सकती हैं।

बुच दम्पति ने आरोपों का किया खंडन

बुच दम्पति ने इन आरोपों का जोरदार खंडन करते हुए कहा था कि हिंडनबर्ग सेबी की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने के साथ चरित्र हनन का प्रयास कर रहा है। अदाणी समूह ने भी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं में हेराफेरी करार दिया था।

सांसद मोइत्रा ने जांच ईडी को भेजने कहा

विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने 13 सितंबर को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि उन्होंने सेबी प्रमुख के खिलाफ लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा था कि भ्रष्टाचार रोधक लोकपाल को इसे प्रारंभिक जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भेजना चाहिए और उसके बाद 'पूर्ण एफआईआर जांच' करनी चाहिए।

- बुच से चार सप्ताह के भीतर पक्ष रखने कहा गया
- आदेश केवल प्रक्रियागत निर्देश, किसी तरह की राय नहीं
- लोकपाल ने आगे विचार के लिए 19 दिसंबर को सूचीबद्ध किया

शिकायत हिंडनबर्ग के आरोपों पर आधारित

यह शिकायत हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से बुच पर लगाए गए कई आरोपों पर आधारित थी। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कुछ महीने पहले जारी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के पास अदाणी समूह से जुड़े कथित वित्त हेराफेरी मामले में इस्तेमाल हुए अज्ञात विदेशी कोष में हिस्सेदारी थी।

आदेश पर पांच अन्य सदस्यों के हस्ताक्षर

लोकपाल संस्था के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों के इस आदेश पर हस्ताक्षर हैं। इसके सदस्यों में न्यायमूर्ति एल नारायण स्वामी, संजय यादव, रितु राज अवस्थी, सुशील चंद्रा और अजय तिर्की शामिल हैं। लोकपाल ने मामले को आगे विचार के लिए 19 दिसंबर को सूचीबद्ध किया है।

टाटा सेमीकंडक्टर के लिए सिंगापुर को प्रमुख साझेदार के रूप में चुनेगा : मंत्री

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सिंगापुर के गृह एवं विधि मंत्री के. षणमुगम ने शुक्रवार को कहा कि टाटा संस अपनी सेमीकंडक्टर योजनाओं के लिए सिंगापुर को ''प्रमुख साझेदार'' के रूप में चुनेगी। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के साथ बैठक के बाद षणमुगम ने पत्रकारों को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि बैठक में सेमीकंडक्टर को लेकर गहन चर्चा हुई। षणमुगम ने कहा, '' यदि वे (टाटा) चाहें तो दुनिया में किसी के साथ भी व्यापार कर सकते हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें सिंगापुर में ही व्यापार करना है, लेकिन मुझे लगता है कि वे सिंगापुर को एक प्रमुख साझेदार के रूप में चुनेंगे, न केवल साझेदार के रूप में बल्कि एक प्रमुख साझेदार के रूप में..।'षणमुगम जनशक्ति मंत्री तथा व्यापार एवं उद्योग विभाग के कनिष्ठ मंत्री तान सी लैंग के साथ देश की वित्तीय राजधानी की एक दिन की यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अंतरराष्ट्रीय सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए विश्वसनीय स्थान है। टाटा समूह पांच दशक से अधिक समय से सिंगापुर में मौजूद है।

- सिंगापुर के गृह मंत्री षणमुगम ने दी जानकारी

ताइवान की पावरचिप कंपनी से भी समझौता : इस उद्यम के लिए उसने ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉरपोरेशन (पीएसएमसी) के साथ साझेदारी की है। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी. वी. आर सुब्रह्मण्यम के भारत से अपने रुख पर पुनर्विचार करने और 15 देशों के क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसीईपी) में शामिल होने के आह्वान के बारे में पूछे जाने पर षणमुगम ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया।

चीनी उद्योग को पतन से बचाने की मांग

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय सहकारी चीनी फैक्टरी महासंघ (एनएफसीएसएफ) ने शुक्रवार को चीनी क्षेत्र में आसन्न संकट के बारे में चेताते हुए सरकार से इसे 'पतन' से बचाने को तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

केंद्रीय खाद्य सचिव को लिखे एक पत्र में महासंघ ने बढ़ते चीनी स्टॉक और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण चीनी क्षेत्र के गंभीर वित्तीय संकट की स्थिति को उजागर किया है। 2024-25 के चीनी सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में शुरुआती स्टॉक 80 लाख टन है, जिसमें एथनॉल 'डायवर्जन' (एथनॉल उत्पादन के लिए उपयोग होने वाले चीनी स्टॉक) को छोड़कर 325 लाख टन के उत्पादन का अनुमान है। घरेलू खपत 290 लाख टन होने का अनुमान है, और देशभर के 535 कारखानों के गोदामों में लगभग 115 लाख टन चीनी रहेगी। महासंघ ने बताया कि सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को आठ प्रतिशत बढ़ाकर 3,400 रुपये प्रति टन कर दिया है, जबकि उद्योग का न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) वर्ष 2018-19 से 31 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर बना हुआ है, जबकि उत्पादन लागत बढ़कर 41.66 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है।

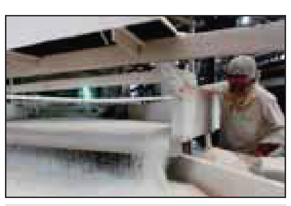

- एनएफसीएसएफ ने सरकार को चेताया
- बढ़ते चीनी स्टॉक व लागत से संकट गंभीर

एथेनॉल की कीमत बढ़ाने की मांग

महासंघ ने क्षेत्र की लाभप्रदता बनाए रखने के लिए गन्ना रस आधारित एथेनॉल के लिए 73.14 रुपये प्रति लीटर और बी-हेवी शीरा आधारित एथनॉल के लिए 67.70 रुपये प्रति लीटर की दर से एथनॉल की कीमतों में संशोधन की मांग की है। एनएफसीएसएफ ने सरकार से इन चुनौतियों से निपटने तथा क्षेत्र की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ 13 नवंबर को खुलेगा

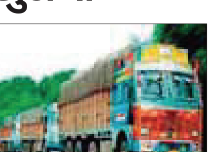

नई दिल्ली। ट्रक मालिकों के लिए डिजिटल मंच जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड का 1,115 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 13 नवंबर को खुलेगा। इसके लिए मूल्य दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि आईपीओ 18 नवंबर को बंद होगा। यह आईपीओ 550 करोड़ रुपये के नए निर्गम और 2.06 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर प्रवर्तकों और निवेशकों के ओएफएस का मूल्य 565 करोड़ रुपये बैठता है। कर्मचारियों को आईपीओ में 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की छूट मिलेगी। नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए किया जाएगा।

शादी-विवाह की मांग से सोना 500 रुपए चढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

शादी-विवाह के सीजन में आभूषण एवं फुटकर विक्रेताओं की मांग बढ़ने के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोना 500 रुपये की बढ़त के साथ एक बार फिर 80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बृहस्पतिवार को 79,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 800 रुपये उछलकर 94,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछली कारोबारी सत्र में इसका भाव 93,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 500 रुपये बढ़कर 79,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। बृहस्पतिवार को यह 79,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

- सोना बढ़कर 80,000 रुपए प्रति दस ग्राम के स्तर पर

डॉलर मजबूत होने से सोने में कमजोरी रही : एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''डॉलर सूचकांक में मजबूती और फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बीच सोने में कमजोरी रही। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने उम्मीद के अनुरूप ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है।''

अशोक लेलैंड के लाभ में 766 करोड़ का इजाफा...

चेन्नई। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 766.55 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का गत वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शुद्ध मुनाफा 550.65 करोड़ रुपये रहा था। अशोक लेलैंड ने शुक्रवार को बयान में कहा, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी एकीकृत कुल आय बढ़कर 11,261.84 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 10,754.43 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू मध्यम तथा भारी वाणिज्यिक वाहन खंड में उसकी 31 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, '' हम निरंतर लाभप्रदता पर ध्यान दे रहे हैं। हम अपने उत्पादों को 'प्रीमियम' बनाकर, लागत में कमी लाने के अवसर भुनाकर और अपने ग्राहक सेवा मानकों को बढ़ाकर अपनी लाभप्रदता में सुधार ला रहे हैं।''

इरडा की बीमा क्षेत्र में 100% विदेशी निवेश की वकालत

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन देबाशीष पांडा ने शुक्रवार को बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने की वकालत की। इसके साथ ही पांडा ने कहा कि 2027 तक 'सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत अधिक पूंजी की जरूरत है।

समाचारपत्र 'बिजनेस स्टैंडर्ड' के वार्षिक बीएफएसआई कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांडा ने कहा कि बीमा अत्यधिक पूंजी जरूरत वाला क्षेत्र है लिहाजा देश को बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में और अधिक 'खिलाड़ियों' की जरूरत है। भारत ने वर्ष 2000 में निजी और विदेशी निवेश की अनुमति देकर धीरे-धीरे बीमा क्षेत्र को खोलना शुरू किया था। फिलहाल साधारण, जीवन और स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में 74 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति है। पांडा ने कहा, ''हमें बहुत अधिक पूंजी की जरूरत है, जिसका अर्थ है कि हमें कई नई इकाइयों की आवश्यकता है। कुछ समेकन भी हो सकता है।''उन्होंने कहा, /"अगर एफडीआई मार्ग भी खोला जाता है तो इससे घरेलू निवेश में भी वृद्धि होगी, अन्यथा घरेलू निवेश में कमी आ सकती है।

- इससे 2027 तक सभी के लिए बीमा का लक्ष्य होगा हासिल
- लक्ष्य को हासिल करने बहुत अधिक पूंजी की जरूरत

चीन की अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार

चीन ने 840 अरब डॉलर के कर्ज पैकेज को मंजूरी दी

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के इरादे से शुक्रवार को छह लाख करोड़ युआन (839 अरब डॉलर) की ऋण वित्तपोषण योजना को मंजूरी दे दी। चीन की संसद 'नेशनल पीपल्स कांग्रेस' की वित्तीय और आर्थिक समिति के उपाध्यक्ष जू होंगकाई ने सम्मेलन में कहा कि यह योजना अगले तीन साल में लागू की जाएगी।

- यह योजना अगले तीन साल में लागू की जाएगी

चीन सरकार के इस कदम से स्थानीय सरकारों को अपने भारी कर्ज बोझ के लिए वित्त जुटाने में मदद मिलने और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने का अनुमान है। वित्त मंत्री लैन फोआन ने कहा कि वर्ष 2023 के अंत तक स्थानीय सरकारों पर करीब 14.3 लाख करोड़ युआन (दो लाख करोड़ डॉलर) का छिपा हुआ कर्ज होने का अनुमान है।

छिपे कर्ज का नहीं किया खुलासा

छिपे कर्ज का आशय ऐसे कर्ज से है जिसका सार्वजनिक खुलासा नहीं किया गया हो। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 से 2026 तक हर साल स्थानीय सरकारों को कर्ज निपटान के लिए दो-दो लाख करोड़ युआन दिए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे स्थानीय सरकारों के छिपे कर्ज की राशि 2028 के अंत तक घटकर 2.3 लाख करोड़ युआन (320.9 अरब डॉलर) रह जाएगी।

महामारी के झटकों से नही उबरी अर्थव्यवस्था

दरअसल, चीन की अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के दौरान लगे झटकों से अभी तक पूरी तरह उबर नहीं पाई है। कोविड महामारी के दौरान अधिक व्यय और कम राजस्व संग्रह की वजह से स्थानीय सरकारों का कर्ज बढ़ गया था। इसके अलावा रियल एस्टेट उद्योग में मंदी ने भी चीन की अर्थव्यवस्था को सुस्त करने का काम किया।

कर्ज लेने पर प्रतिबंधों में ढील दी गई

स्थानीय सरकारों के लिए विशेष बॉन्ड जारी करने की सीमा 29.52 लाख करोड़ युआन (4.12 अरब डॉलर) से बढ़ाकर 35.52 लाख करोड़ युआन (4.96 अरब डॉलर) कर दी जाएगी। इसके पहले चीन के केंद्रीय बैंक ने सितंबर के अंत में कर्ज लेने पर प्रतिबंधों में ढील दी थी।

एफआईआई का चीन की और रुख

इस कदम से शेयर बाजारों में तेजी लौटी और भारत जैसे देशों से पूंजी निकालकर विदेशी संस्थागत निवेशकों ने चीन का रुख करना शुरू कर दिया। चीन को मजबूत करने के लिए व्यापक कर्ज वित्तपोषण के साहसिक कदम की मांग पहले ही की थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में 2.67 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.67 अरब डॉलर घटकर 682.13 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3.46 अरब डॉलर घटकर 684.80 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। एक नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.90 अरब डॉलर घटकर 589.84 अरब अमेरिकी डॉलर रह गईं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान

भीलवाड़ा

शनिवार,09,नवम्बर, 2024

खबर संक्षेप

देश तोड़ने की ताक में कांग्रेसः केसवन

नई दिल्ली। कांग्रेस की तरफ से जम्मू-कश्मीर विधानसभा में लाए गए एक प्रस्ताव को समर्थन देने की घटना को भाजपा ने देश के विभाजन का प्रयास बताया है। तेलंगाना में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव को सामरिक समर्थन दिया। इस समय अनुच्छेद 370 का मामला फिर गरमाया हुआ है।

रूबन हॉस्पिटल के एमडी पर 40 लाख का जुर्माना

पटना। बिहार के बड़े अस्पतालों में से एक रूबन और इसके एमडी डॉ. सत्यजीत कुमार सिंह पर बड़ी कार्रवाई हुई है। मरीज की जिंदगी से खिलवाड़ करने के आरोप में उपभोक्ता न्यायालय ने 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अगर मरीज को 40 लाख की रकम नहीं दी गई तो 10 हजार का आर्थिक दंड भी लगेगा। उपभोक्ता न्यायालय ने यह आदेश दिया।

अब 4 साल से बड़े बच्चे को हेलमेट जरूरी

चंडीगढ़। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में अब 4 साल से ज्यादा उम्र के सभी बाइक सवारों को हेलमेट पहनना होगा। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल की बेंच ने 29 अक्टूबर को इस मामले में आदेश दिए थे। इसी मामले पर फिर सुनवाई हुई। हेलमेट केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

'क्राइम पेट्रोल' के एक्टर नितिन का निधन

नई दिल्ली। मशहूर टीवी अभिनेता नितिन चौहान हमारे बीच में नहीं रहे। उन्होंने किसी वजह से आत्महत्या की है। यह जानकारी नितिन के पूर्व सह-कलाकार ने एक पोस्ट के जरिए दी है। रियलिटी शो दादागिरी 2 के विजेता और मशहूर हुए चौहान का गुरुवार को मुंबई में निधन हो गया। वह सिर्फ 35 साल के थे। नितिन यूपी के अलीगढ़ जिले के रहने वाले थे ।

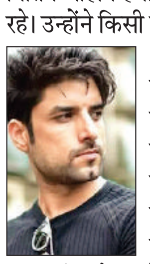

बिश्नोई समाज के लिए जेल जाने का गम नहीं

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान को धमकी देने वाले भीखा राम को मुंबई पुलिस ने कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम को एक धमकी भरा संदेश भेजा था। उसने खान से 5 करोड़ की रंगदारी मांगी थी। आरोपी ने संदेश में कहा था कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है। भीखाराम ने कहा कि उसे समाज की खातिर जेल जाने का गम नहीं है।

झारखंड विधानसभा चुनाव में पक्ष, विपक्ष का प्रचार शबाब पर

झारखंड में चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन की सात गारंटियों को दोहराया

नई दिल्ली

झारखंड विधानसभा चुनाव में पक्ष, विपक्ष का प्रचार शबाब पर है। एक दूसरे पर आरोप, प्रत्यारोप के बीच वोटरों को सही और गलत के बीच फैसला करना है। भाजपा की ओर से जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह मे प्रचार का नेतृत्व कर रहे हैं वहीं कांग्रेस पार्टी की ओर से राहुल गांधी ने बीड़ा उठाया हुआ है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को झारखंड में कहा कि इंडिया गठबंधन हर कीमत पर आदिवासियों की जल-जंगल-जमीन की रक्षा करेगा, जिसे भाजपा छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा देश के पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को भागीदारी नहीं देना चाहती है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी झारखंड के सिमडेगा में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने झारखंड के लिए इंडिया गठबंधन की सात गारंटियों के बारे में भी बताया।

जनसभा में उमड़ी विशाल भीड़ के बीच राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन संविधान की रक्षा कर रहा है, वहीं भाजपा-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। संविधान में बिरसा मुंडा जी, अंबेडकर जी, फुले जी और महात्मा गांधी जी की सोच है। संविधान देश के आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों, गरीबों की रक्षा करता है। इसलिए इंडिया गठबंधन चाहता है कि देश को संविधान के अनुसार चलाया जाए।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा आदिवासियों को वनवासी कहती है। आदिवासी का मतलब देश का पहला मालिक होता है। वहीं वनवासी का मतलब है कि देश में आदिवासियों का कोई अधिकार नहीं है। अंग्रेज भी आदिवासियों को वनवासी कहते थे, तब बिरसा मुंडा जी आदिवासियों के जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़े। आज इंडिया गठबंधन भी आदिवासियों के हक के लिए लड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासियों का जल-जंगल-जमीन छीनना चाहती है, इसलिए वह आदिवासियों को वनवासी कहती है। भाजपा आदिवासियों को जंगलों तक ही सीमित रखना चाहती है और नहीं चाहती कि उनके बच्चे पढ़ाई करके डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या पायलट बनें। भाजपा जानबूझकर उनकी प्रगति में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान में वनवासी शब्द कहीं नहीं मिलेगा। जिन्होंने संविधान बनाया, उन्होंने भी वनवासी की जगह आदिवासी शब्द का प्रयोग किया। क्योंकि वे मानते थे कि जल, जंगल, जमीन के असली मालिक आदिवासी हैं।

उन्होंने भाजपा पर समाज को बांटने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग जहां भी जाते हैं, वे भाई को भाई से, एक जाति को दूसरी जाति से, एक राज्य को दूसरे राज्य से और एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। भाजपा की विचारधारा ने मणिपुर में आग लगा दी है और प्रधानमंत्री ने अब तक उस राज्य का दौरा करने की जहमत नहीं उठाई है। भागीदारी न्याय का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि देश में करीब 50 प्रतिशत पिछड़े, 15 प्रतिशत दलित, आठ प्रतिशत आदिवासी वर्ग के लोग हैं। लेकिन देश में इनकी कोई भागीदारी नहीं है। इन वर्गों के लोग सक्षम हैं, लेकिन इनके रास्ते को रोका जाता है। उन्होंने संसद में जातिगत जनगणना की बात उठाई तो नरेंद्र मोदी चुप हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि वह चाहते हैं कि देश के पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को भागीदारी मिले, लेकिन भाजपा चाहती है कि देश को नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अंबानी-अडानी जैसे चंद लोग चलाएं। उन्होंने दोहराया कि वह सुनिश्चित करेंगे कि देश में जाति जनगणना की जाए। उन्होंने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने जनता से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को भारी मतों से जिताने की अपील की। राहुल गांधी ने झारखंड के लिए इंडिया गठबंधन की सात गारंटियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर 450 रुपए में गैस सिलेंडर और हर व्यक्ति को सात किलो राशन मिलेगा। महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह दिया जाएगा, जिन्हें अभी एक हजार रुपए प्रति माह दिया जाता है। 1932 आधारित खतियान पर स्थानीयता नीति लाई जाएगी। सरना धर्म कोड लागू होगा। एसटी को 28 प्रतिशत, दलितों को 12 प्रतिशत और ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। 10 लाख नौकरियां दी जाएंगी और 15 लाख रुपए तक का पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज बनेंगे। जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी होगी। धान की एमएसपी 3,200 रुपए की जाएगी। अन्य कृषि उत्पादों की एमएसपी में 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जाएगी।

भाजपा सरकार किसानों को दबाने और उनका शोषण करने में जुटीः सैलजा

कांग्रेस महासचिव एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि देश के अन्नदाता किसान के बारे में अच्छा सोचने के बजाय भाजपा सरकार किसानों को दबाने का और उनके शोषण करने के काम में लगी हुई है। कही उन पर जुर्माना लगाया जा रहा है कही केस दर्ज किए जा रहे हैं। मंडियों में एक ओर जहां किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने अब पराली जलाने पर जुर्माना राशि दोगुनी करने का फैसला किया है। कांग्रेस केंद्र के इस फैसले की निंदा करती है। सरकार किसानों पर जुर्म करने के बजाए उन्हें प्रोत्साहित करे ताकि किसान पराली को जलाने के बजाए पराली से अपनी आय बढ़ा सके।

- कहा, कांग्रेस पराली जलाने पर जुर्माना राशि दोगुना करने के केंद्र के फैसले की करती है निंदा
- सरकार चाहे तो जिले में पराली खरीदने के बनाए जा सकते है केंद्र

सैलजा ने कहा कि सरकार किसानों की बात सुनने के बजाए दमनकारी नीति से उन्हें दबाने और उनका शोषण करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने का काम अभी दो चार साल में शुरू नहीं हुआ, पहले से हो रहा है। पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है इसमें कोई दो राय नहीं। सरकार ऐसी व्यवस्था करें ताकि किसान पराली न जला सके। पराली का सदुपयोग कर सरकार बिजली बना सकती है। सरकार चाहे तो जिला में पराली खरीदने के केंद्र बनाए जा सकते है। सरकार पराली जलाने वालों पर जुर्माना करके या उनके खिलाफ केस दर्ज करवाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद अब केंद्र सरकार ने अपना गुस्सा किसानों पर उतारते हुए पराली जलाने पर जुर्माना राशि दोगुनी करने का फैसला किया है।

तिरुपति लड्डू विवाद पर 'सुप्रीम' फैसला

हम विशेष कानून नहीं बना सकते, सीबीआई जांच की याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डू विवाद की सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। याचिका में पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान तिरुमाला तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के संबंध में टीडीपी वाली आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए आरोपों की सीबीआई जांच कराने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन 'ग्लोबल पीस इनीशिएटिव' के अध्यक्ष केए पॉल की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि आपकी प्रार्थना के अनुसार हमें सभी मंदिरों, गुरुद्वारों आदि के लिए अलग-अलग राज्य बनाना होगा। हम यह निर्देश नहीं दे सकते कि किसी विशेष धर्म के लिए एक अलग राज्य बनाया जाए।

इससे पहले दिया था यह आदेश

शीर्ष अदालत ने लड्डू बनाने में इस्तेमाल पशुओं की चर्बी के आरोपों की जांच के लिए चार अक्टूबर को पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन किया था। पीठ ने निर्देश दिया था कि स्वतंत्र एसआईटी में सीबीआई और आंध्र प्रदेश पुलिस के दो-दो अधिकारी तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

प्रसाद की पवित्रता धूमिल हुई याचिकाकर्ता ने कहा

पॉल ने कहा कि सीएम एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा लगाए गए आरोपों से श्रद्धालुओं में गंभीर चिंता पैदा हो गई है और इस प्रसाद की पवित्रता धूमिल हुई है। याचिका में बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और मौलिक धार्मिक अधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डाला गया है, जो धर्म का अभ्यास और प्रचार करने की स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

370 पर बवाल, विस में 'पाकिस्तानी एजेंडा नहीं चलेगा' जैसे नारे लगे

एजेंसी श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को तब हंगामा हुआ, जब भाजपा सदस्यों ने विशेष दर्जे के प्रस्ताव का विरोध किया। अध्यक्ष को 12 विपक्षी विधायकों और लंगेट से विधायक शेख खुर्शीद को बाहर निकालना पड़ा। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायकों ने 'पाकिस्तानी एजेंडा नहीं चलेगा' जैसे नारे लगाए। भाजपा विधायक आसन के समक्ष भी आ गए जिसके बाद अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि उन्हें बाहर निकाल दिया जाए।

जम्मू-कश्मीर विस में हंगामा

सीएम उमर बोले- हमने बहुत कुछ खोयाः विधानसभा में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमने बहुत कुछ खोया है। इस कुर्सी पर मुझे जितना समय मिला है, एक दिन भी जाया नहीं होने दूंगा।

दुनिया की कोई ताकत 370 को बहाल नहीं कर सकती

धुले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नीत 'इंडिया' गठबंधन पर जम्मू-कश्मीर से भारत का संविधान हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया की कोई ताकत वहां अनुच्छेद 370 को बहाल नहीं कर सकती।

मुख्यमंत्री सैनी ने की भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरुआत

मुख्यमंत्री आवास पर कार्यक्रम में कहा

हरियाणा में 50 लाख से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ने का लक्ष्य करेंगे पूराः सैनी

नई दिल्ली

हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने तीन दिवसीय सदस्यता अभियान की शुरूआत कर दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्राथमिक सदस्यता का नवीनीकरण कर अभियान का शुभारंभ किया।

इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, सदस्यता अभियान के संयोजक वेदपाल एडवाकेट, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया के अलावा अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सदस्यता अभियान को लेकर बैठक की गई जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की योजना पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय महामंत्री ने सदस्यता अभियान को लेकर उपस्थित कार्यकर्ताओं व नेताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता लेने के बाद आम जनता से भी भाजपा से जुड़ने की अपील की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पीएम मोदी के कर कमलों से आरंभ हुआ भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान प्रदेश के 'हर गांव-हर गली - हर घर- हर व्यक्ति' तक पहुंचेगा और सभी को 'विकसित भारत-विकसित हरियाणा' के संकल्प से जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने आम जनता से भाजपा का सदस्य बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें और 'अंत्योदय' के संकल्प और नॉन-स्टॉप हरियाणा को विकसित बनाने के हमारे ध्येय को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं।

सदस्यता अभियान का लक्ष्य संगठन को मजबूत करना है : दुष्यंत

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ है। संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए हरियाणा में 50 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मकसद लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना और संगठन को और अधिक मजबूत करना है।

महाराष्ट्र में शाह ने चुनावी रैली में शरद पवार को दी चेतावनी

आपकी 4 पीढ़ियां भी '370' को वापस नहीं ला सकतीं

शिराला में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कही यह बात

एजेंसी शिराला

महाराष्ट्र में एक रैली के दौरान अमित शाह ने कहा कि शरद पवार की चार पीढ़ियां भी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को वापस नहीं ला सकतीं। महाराष्ट्र के शिराला में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस पार्टी ने जम्मू कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें अनुच्छेद 370 को वापस लाने की मांग की गई है कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं है। आज मैं संभाजी महाराज की धरती से कह रहा हूं शरद पवार साहब, अगर आपकी चार पीढ़ियां भी आ जाएंगी तो भी हम अनुच्छेद 370 को वापस नहीं आने देंगे।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में वापसी का प्रस्ताव लाया गया

जम्मू कश्मीर विधानसभा विधानसभा के पहले ही सत्र में अनुच्छेद 370 को वापस लाने का प्रस्ताव पेश किया गया। इस पर विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ और भाजपा और सत्ताधारी दल के विधायकों में हाथापाई भी हो गई।

पीएम मोदी का वादा पत्थर की लकीर

शाह ने कहा कि 'ये अघाड़ी वाले न देश को सुरक्षित कर सकते हैं, न देश का सम्मान बढ़ा सकते हैं। अगर ये काम करना है, तो पीएम मोदी का हाथ मजबूत करना होगा। पीएम मोदी का वादा पत्थर की लकीर है।

अघाड़ी की सरकार आई तो किसानों की जमीन वक्फ को दे देंगे

शाह ने कहा कि पीएम मोदी वक्फ बोर्ड में बदलाव का बिल लाए और विपक्ष उसका विरोध कर रहा है। अगर अघाड़ी की सरकार आई तो किसानों की भूमि वक्फ को दे देगी।

सीएम नायब सिंह सैनी ने पूर्व उपप्रधानमंत्री आडवाणी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पूर्व भाजपा अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवाणी से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। सैनी ने एक्स पर लिखा 'भारत रत्न' श्रद्धेय लालकृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उनके नेतृत्व में भाजपा का संगठन सुदृढ़ और व्यापक हुआ।देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणादायक हैं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन के लिए प्रार्थना करता हूं।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com